नई दिल्ली। शनिवार, 19 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 254/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल एशियन गेम्स : भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट...
@ विचार अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जररूरत नहीं...
@ व्यापार सेंसेक्स की चाल थमी, निफ्टी ने लगाई 33% की...

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारत और साइप्रस ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की

निकोसिया। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भारत-साइप्रस द्विपक्षीय एजेंडे की व्यापक समीक्षा की। दोनों पक्षों ने सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा करते हुए दोनों देशों के नेताओं के विजन को ठोस परिणामों में बदलने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उच्चायुक्त मनीष ने विदेश मंत्रालय की उप राजनीतिक निदेशक पॉली इओआन्नू, राष्ट्रपति के राजनयिक कार्यालय में अधिकारी डेमेट्रिस असोस और एशिया एवं ओशिनिया विभाग के प्रमुख जॉर्जियोस जॉर्जियो से मुलाकात की।



हवाई संपर्क मजबूत करने पर भारत और वियतनाम में बातचीत तेज



हनोई। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने हनोई का दौरा किया और वियतनाम के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएवी) के साथ भारत-वियतनाम हवाई सेवा समझौते पर चर्चा की। दूतावास ने कहा कि भारत और वियतनाम हवाई संपर्क को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे लोगों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने 17-18 सितंबर 2026 को वियतनाम का दौरा किया और वियतनाम के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएवी) के साथ भारत-वियतनाम हवाई सेवा समझौते पर चर्चा की।

फिलीपींस के साउथ कोटाबाटो में स्कूल में गोलीबारी, तीन की मौत; छह घायल

मनीला। फिलीपींस के साउथ कोटाबाटो प्रांत के बांगा स्थित बांगा नेशनल हाई स्कूल में शुक्रवार को गोलीबारी की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'फिलस्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, साउथ कोटाबाटो के गवर्नर रेनाल्ड तमायो ने हताहतों की पुष्टि की है। फिलीपींस रेड क्रॉस ने बताया कि उसने घटना के बाद जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने के लिए अपनी टीमों को मौके पर भेजा है। फिलीपींस रेड क्रॉस ने फेसबुक पर जारी बयान में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार छह घायलों को डैंटम डॉक्टर्स हॉस्पिटल और साउथ कोटाबाटो प्रोविंशियल हॉस्पिटल ले जाया गया है।



नंदीग्राम उपचुनाव: कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान पुराने हत्या मामले में गिरफ्तार

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को शुक्रवार को एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व मेदिनीपुर जिला पुलिस के एक अधिकारी ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

यह गिरफ्तारी उस समय हुई, जब नंदीग्राम उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट की उम्मीदवार संचिता डे प्रधान ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया।

जिला पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान एक पुराने हत्या मामले में आरोपी हैं। अधिकारी ने कहा कि उनके खिलाफ पहले से ही वारंट जारी था और उसी के संबंध में शुक्रवार को उन्हें गिरफ्तार किया गया।

उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले विपक्ष को खत्म करना चाहती है।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डब्ल्यूबीपीसीसी) के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने मीडिया से कहा कि मिलन प्रधान के खिलाफ अचानक मामला दर्ज किया गया और उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने सवाल उठाया,



'इस तरह भाजपा पश्चिम बंगाल में एकदलीय शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। क्या इस राज्य के साथ-साथ देश में भी विपक्ष की राजनीति नहीं होगी?' सरकार ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार की गिरफ्तारी के पीछे राजनीतिक साजिश है। हालांकि, भाजपा के पूर्व मेदिनीपुर जिला नेतृत्व ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी से उसका कोई संबंध नहीं है।

नंदीग्राम के अलावा मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 9 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से जीत दर्ज की थी। उन्होंने भवानीपुर में पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था।

उपचुनाव में नंदीग्राम और असम में कांग्रेस का समर्थन करेंगी ममता बनर्जी



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक झूठी और जुमला पार्टी है। भाजपा का काम देश के लोकतंत्र, संविधान और शिक्षा प्रणाली को खत्म करना है। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अपने मंसूबों को कामयाब करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रही है। इन्होंने चुनाव से पहले ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह बहुत दुखद बात है। बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और बंगाल में भी इन्होंने इसी तरह लूटपाट की थी। ममता बनर्जी कोलकाता में मीडिया से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक फर्जी पार्टी है।

पेपर लीक मामला: एनटीए में सुधारों की प्रगति पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

जज ने दिया ऑफिस के दौरे का संकेत

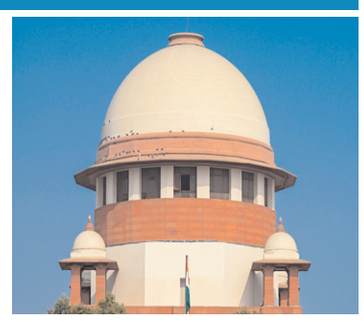
एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए में सुधारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एनटीए के कार्यालय का दौरा कर सकता है, ताकि मौके पर जाकर यह देखा जा सके कि परीक्षा आयोजित करने वाला सिस्टम वास्तव में काम कर रहा है या नहीं।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें नीट का पेपर लीक होने के बाद एनटीए में व्यापक सुधार करने की मांग की गई है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि नंदन नीलेकणि की अगुवाई में गठित एक नए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स ने डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया है। उन्होंने अदालत से टास्क फोर्स की रिपोर्ट पेश करने के लिए सितंबर के अंत तक का समय देने का अनुरोध किया। इस पर कोर्ट ने कहा कि एनटीए में सुधार के लिए कमेटी की सिफारिशें सिर्फ रिपोर्ट तक सीमित न रहें, उन पर अमल होना भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई पावर्ड कमेटी के साथ समन्वय कर रहे संयुक्त सचिव को प्रगति पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने एनटीए को अपनी सुधारों की



प्रगति की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए अपनी वेबसाइट पर संस्था में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी वाला हलफनामा डाले, ताकि छात्र और दूसरे पक्ष सुधारों की स्थिति देख सकें। कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि एनटीए में पर्याप्त स्टाफ और एक्सपर्ट की जरूरत है। केवल डेपुटेशन पर कर्मचारियों से काम नहीं चलना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। इससे पहले 19 अगस्त को भी सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई की थी। तब कोर्ट ने कहा था कि एनटीए में किए जा रहे सुधारों को संस्थागत रूप देने की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह के. राधाकृष्णन समिति और निलेकणि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दे। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सुधार जमीन पर भी दिखने चाहिए, ताकि नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं में गड़बड़ी न हो और छात्रों का भरोसा बना रहे।

पाकिस्तान में नमाज के दौरान आत्मघाती हमला, 21 मौतें

आतंकी विस्फोटक से भरी गाड़ी लेकर टकराया

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के पास धमाका हुआ। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 80 लोग घायल हुए हैं।

धमाका इतना जोरदार था कि मस्जिद के बाहर का हिस्सा पूरी तरह टूट गया। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि पुराने पुलिस लाइंस के गेट पर विस्फोटक से भरी एक गाड़ी टकराई थी। पाकिस्तान में जनवरी से अब तक 990 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इनमें 1,129 लोगों की मौत हो चुकी है।

पुलिस 6 आतंकियों को मार गिराया

घटना के बाद पुलिस और हमलावरों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के अनुसार, धमाके के बाद 7 आतंकियों ने पुलिस लाइंस परिसर में घुसने की कोशिश की



थी। 6 आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल है।

हमले की जिम्मेदारी इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान नाम के आतंकी गठबंधन ने ली है। यह संगठन पिछले साल बना था और इसमें पाकिस्तान के कई उग्रवादी गुट शामिल हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घटना की पूरी रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना बेहद गलत है और इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने अधिकारियों को घायलों का तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए। अफरीदी ने कहा, 'आतंकियों की ऐसी हरकतों से देश का हौसला नहीं टूटेगा।' पाकिस्तान में इस साल आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (PICSS) के मुताबिक, जनवरी से अगस्त 2026 तक पूरे पाकिस्तान में 990 मिलिटेंट हमले दर्ज किए गए। इनमें 1126 लोगों की जान चली गई।

बिहार के बाढ़ प्रभावितों के लिए नितिन नवीन ने सीएम राहत कोष में दान किया तीन माह का वेतन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को बिहार में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की त्वरित कार्रवाई, केंद्र के सहयोग और अपने व्यक्तिगत अंशदान का उल्लेख किया। नितिन नवीन ने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता, राहत शिविरों और फसल क्षति के आकलन के जरिए हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है तथा पूरी सरकार इस संकट में जनता के साथ मजबूती से खड़ी है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि राज्य में हालात पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और सरकार प्रभावित लोगों तक समय पर राहत व आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए, एक राज्यसभा सांसद के रूप में उन्होंने



अपने तीन महीने के वेतन की राशि 6,35,000 रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान की है।

उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार की ओर से बाढ़ से प्रभावित परिवारों को 7,000 रुपए प्रति परिवार के हिसाब से कुल 550 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों, कम्युनिटी किचन, चिकित्सा सुविधाओं और पशुओं के लिए चारे की उचित व्यवस्था की गई है। बचाव कार्यों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पूरी मुस्तैदी से तैनात हैं।

निठारी कांड-आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का शव फंदे पर मिला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

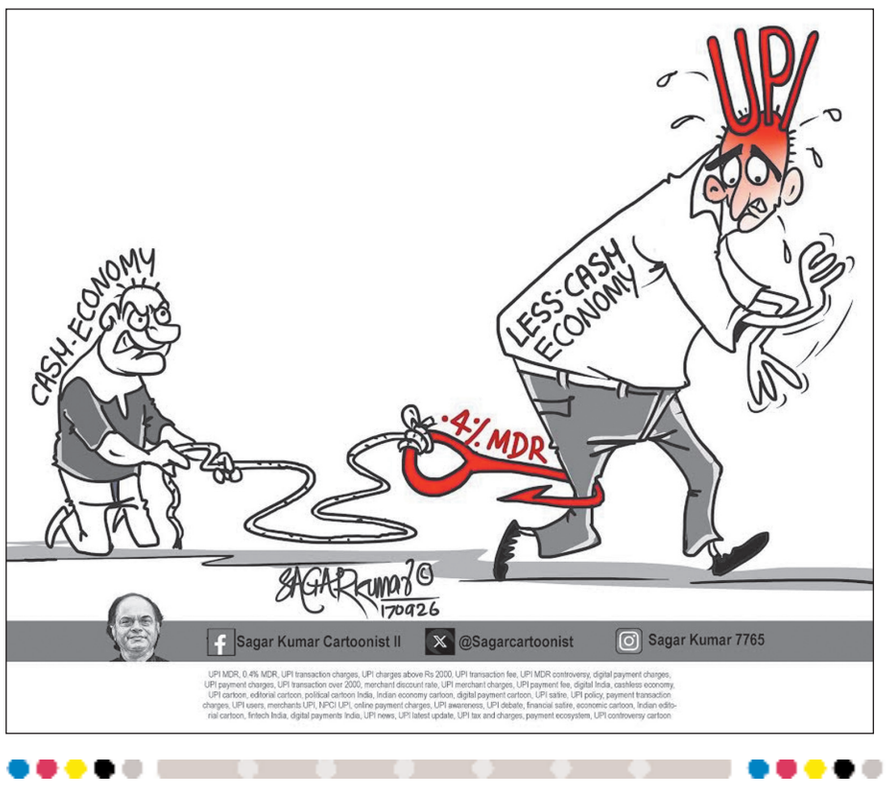


निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का शव शुक्रवार को हरिद्वार के भूपतवाला में उसकी चाय की दुकान में फांसी पर लटका मिला। वह पिछले कुछ महीनों से नाम बदलकर हरिद्वार में रह रहा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक उसने कथित तौर पर आत्महत्या की है, हालांकि करीब 19 साल जेल में रहने के बाद नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट से आखिरी मामले में बरी होकर वह जेल से बाहर आया था। नोएडा के निठारी में 2005-06 में बच्चों और महिलाओं के गायब होने के बाद उसका नाम सामने आया था।

29 दिसंबर 2006 को मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी के पीछे नाले से मानव अवशेष मिलने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। इसके बाद CBI ने मामले की जांच की और कोली के खिलाफ कई केस चले।

कोली को निठारी से जुड़े 13 मामलों में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 मामलों में उसे बरी कर दिया। इसके बाद नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी मामले में भी उसकी दोषसिद्धि रद्द कर दी थी।

सुरेंद्र कोली कुछ महीने पहले ही हरिद्वार आया था। यहां वह अकेला रहता था और अपनी पहचान छिपाकर जिंदगी जी रहा था। करीब 15 दिन पहले उसने सिडकुल की एक कंपनी में काम शुरू किया।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 20वें रोजगार मेले में युवाओं से होंगे रूबरू

रायपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू करेंगे नियुक्ति पत्र वितरण

संवाददाता ■ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 सितंबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20वें रोजगार मेले से जुड़ेंगे। इस अवसर पर वे देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे तथा चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करेंगे।

रायपुर में 20वें रोजगार मेले का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, साइंस कॉलेज परिसर, जी.ई. रोड में किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

रायपुर में 125 अभ्यर्थी होंगे शामिल

रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से 125 अभ्यर्थी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनमें आयकर विभाग, डाक



विभाग, रेलवे, सर्वे ऑफ इंडिया, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा एम्स रायपुर से संबंधित नव नियुक्त अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इन्हीं विभागों से करीब 90 अन्य अभ्यर्थी भी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि तोखन साहू द्वारा मंच से लगभग 25 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके बाद अन्य अभ्यर्थियों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। मुख्य आयकर आयुक्त, रायपुर संजीव, आईआरएस द्वारा तोखन साहू को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गायन से होगी। इसके पश्चात स्वागत संबोधन और मुख्य अतिथि का संबोधन होगा। दोपहर 12:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। रोजगार मेले पर लघु फिल्म के प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री रिमोट बटन के माध्यम से रोजगार मेले का शुभारंभ करेंगे और नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री के ऑनलाइन कार्यक्रम के पश्चात तोखन साहू द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

टीएमसी नाम और सिंबल फ्रीज करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली। बंगाल के नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों के उपचुनाव से पहले राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दो बड़े झटके लगे है। पार्टी के भीतर बगावत के चलते चुनाव आयोग ने गुरुवार रात उनकी पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न (दो फूलों के साथ घास) अंतिम फैसला आने तक जब्त कर लिया था। वहीं शुक्रवार को नंदीग्राम सीट से उनके गुट की प्रत्याशी संचिता प्रधान ने अपना नाम वापस लेकर उन्हें एक और बड़ा झटका दिया है। उपचुनाव को देखते हुए आयोग ने तृणमूल के दोनों गुटों से नाम व चुनाव चिह्न को लेकर तीन-तीन विकल्प मांगे थे। दोनों गुटों की ओर से विकल्प मुहैया कराए जाने के बाद आयोग ने उन्हें नया नाम व चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न के प्रयोग पर चुनाव आयोग द्वारा अंतरिम रोक लगाए जाने के फैसले के खिलाफ ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मध्य प्रदेश में निवेश के जबरदस्त अवसर हैं: मोहन यादव

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2026 कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि सेमीकॉन इंडिया एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ है। मध्य प्रदेश की तरफ से यहां स्टॉल भी लगा है और हमारे अधिकारी अलग-अलग प्रकार के व्यवसायियों से बात भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर हम देश के अंदर और बाहर भी लगातार प्रयास कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी हमारे राज्य में निवेश के जबरदस्त अवसर हैं।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि बीती जीआईएस में भी हमने कुछ निवेशकों को बुलाया था। उन्होंने कुछ जमीनों का आवंटन भी कराया है। इसी साल 23-24 अक्टूबर को इंदौर में एक बड़ा कार्यक्रम होने वाला है, जिसके आधार पर और मध्य प्रदेश की नीतियों के बलबूते पर पर हम सभी प्रकार के निवेशकों को निवेश का मौका भी देंगे और राज्य का प्रमोशन भी करेंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का संतोष है कि इससे जुड़े हुए बहुत सारे ग्रुप अलग-अलग आज दिल्ली में भी मुझसे मिले हैं। इसमें बहुत बड़ा स्कॉप है और इससे सभी सेक्टर से संबंधित लोग इससे जुड़ना चाहते हैं। इसमें हर एक व्यक्ति जुड़कर बात करना चाहता है और विदेशी कंपनियों के साथ भागीदार बनकर भी अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है। इसके लिए हमारे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और स्किल्स के लिए चांस भी रहेगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेमीकॉन के लिए मध्य प्रदेश सबसे अच्छा स्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने निवेशकों को नीतियां दी हैं। पर्याप्त लैंड बैंक हैं, और स्किल डेवलपमेंट के नजरिए से भी यहां अपार संभावनाएं हैं। देश के मध्य के होने के कारण हमारे यहां कई प्रकार की अनूकूलता है।

शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मध्य प्रदेश हर लिहाज से अनुकूल है।

केरल सरकार नॉलेज वैली और रिसर्च पार्क करेगी शुरू, उच्च शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी

विश्व केसरी■



तिरुवनंतपुरम। केरल को दुनिया का एक प्रमुख ज्ञान केंद्र बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार 'नॉलेज वैली' और 'रिसर्च पार्क' शुरू करेगी। यह जानकारी उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन ने शुक्रवार को दी।

यह परियोजना केरल में पहले से मौजूद उच्च शिक्षा और रिसर्च व्यवस्था को आधार बनाकर आगे बढ़ाई जाएगी। इसमें निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

इस प्रस्ताव पर तीन दिवसीय 'रीइमेजिनिंग केरलम' कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित एक गोलमेज बैठक में चर्चा हुई। उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन और उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव बी. अशोक ने चर्चा का नेतृत्व किया।

रोजी एम. जॉन ने कहा कि यह परियोजना केवल एक और अलग संस्थान बनाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ऐसा मंच तैयार करेगी, जो शिक्षा, रिसर्च, उद्योग और वैश्विक अवसरों को आपस में जोड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य आर्थिक लाभ पैदा करना और युवाओं के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध कराना है। केरल की रिसर्च क्षमता को व्यावहारिक रूप देने और उससे आर्थिक अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए।

प्रस्तावित रिसर्च पार्क का उद्योगों के साथ मजबूत जुड़ाव होगा। यहां साझा आधुनिक सुविधाएं और उत्कृष्टता केंद्र उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, नए उत्पादों के शुरुआती मॉडल यानी प्रोटोटाइप तैयार करने और अत्याधुनिक तकनीक के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में शामिल लोगों ने विश्वविद्यालयों, रिसर्च संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना था कि रिसर्च को पारंपरिक शैक्षणिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि पीएचडी कार्यक्रमों में केवल शोध प्रबंध पर अधिक निर्भर रहने के बजाय वास्तविक जीवन की समस्याओं और उद्योगों से जुड़े रिसर्च को ज्यादा महत्व दिया जा सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े रिसर्च को एक ऐसा क्षेत्र बताया गया, जहां उद्योगों के साथ साझेदारी मददगार साबित हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु में सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को मिलेगा एक ग्राम का सोने का छल्ला



विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 28 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के लिए 'थायमामन थंगा मोथिरम' योजना की शुरुआत करेंगे। योजना के तहत 22 जून 2026 से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम वजन का सोने का छल्ला दिया जाएगा।

योजना के शुभारंभ और क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, राज्य में मातृ एवं शिशु कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता, मुफ्त प्रसव और नवजात देखभाल, आपातकालीन प्रसूति सेवाएं, पोषण, प्रसव योजना और प्रेग्नेंसी एंड चाइल्ड ट्रैकिंग इवैल्यूएशन सॉफ्टवेयर जैसी कई योजनाएं लागू की गई हैं।

सरकार ने बताया कि तमिल संस्कृति और परंपरा में 'थायमामन सीर' की परंपरा को ध्यान में रखते हुए तथा सरकारी चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों का विश्वास और मजबूत करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की जा रही है। इसके लिए 23 जून 2026 को शासनादेश जारी किया गया था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में हर साल करीब 7.80 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में होते हैं। करीब 4.20 लाख यानी 53 प्रतिशत प्रसव सरकारी अस्पतालों में होते हैं।

योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को एक ग्राम वजन का सोने का छल्ला दिया जाएगा। प्रत्येक छल्ले पर यूनिक सीरियल नंबर होगा और इन्हें छेड़छाड़-रोधी पैकेजिंग में रखा जाएगा। योजना के लिए पहले चरण में 1,28,000 सोने के छल्ले खरीदे जा चुके हैं।

इस योजना का लाभ तमिलनाडु की स्थायी निवासी माताओं को मिलेगा।

'पाकिस्तानी नौसेना के जहाजों का व्यवहार अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर है', जहाजों की टक्कर पर विदेश मंत्रालय का बयान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को पश्चिमी अरब सागर में 15 सितंबर को भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता और पाकिस्तानी नौसेना के जहाज हुनैन के बीच हुई टक्कर को लेकर पड़ोसी देश के आरोपों को खारिज कर दिया और इसे हमेशा की तरह टालमटोल की नीति बताया।

नई दिल्ली में शुक्रवार को द्वि-साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज हुनैन का व्यवहार 'अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर' था, जिसके कारण यह टक्कर हुई। हालांकि, आईएनएस कोलकाता को कोई नुकसान नहीं हुआ।

जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'हमने हमारे द्वारा दर्ज कराए गए विरोध पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी है। यह वही टालमटोल है, जिसकी हमने उम्मीद की थी। हम इसमें लगाए गए आरोपों और निहितार्थों को खारिज करते हैं। मैं आपके लिए मामले के तथ्यों को दोहराता हूं। आईएनएस कोलकाता पश्चिमी अरब सागर में नियमित तैनाती पर था, जब पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज हुनैन ने समुद्र में अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके से व्यवहार किया, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हुई।

आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने के मामले में अभिनेता एसजे सूर्या को मद्रास हाईकोर्ट से झटका

विश्व केसरी■



चेन्नई। आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने से जुड़े छह मामलों में डिस्चार्ज की मांग को लेकर अभिनेता और निर्देशक एस.जे. सूर्या की ओर से दायर याचिकाएं वापस लेने के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने उन्हें खारिज कर दिया।

आयकर विभाग ने एस.जे. सूर्या के खिलाफ एग्मोर कोर्ट में छह मामले दर्ज कराए थे। विभाग का आरोप था कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2002-03 से 2009-10 के बीच छह वित्तीय वर्षों के लिए आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया।

एस.जे. सूर्या ने इन सभी छह मामलों से डिस्चार्ज की मांग करते हुए मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया था। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन के समक्ष शुक्रवार को इन याचिकाओं पर सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान आयकर विभाग ने अदालत को बताया कि एस.जे. सूर्या ने वर्ष 2022 में भी इन छह मामलों को रद्द करने की मांग को लेकर याचिकाएं दायर की थीं, जिन्हें पहले ही खारिज किया जा चुका है। विभाग ने यह भी कहा कि मौजूदा याचिकाएं भी उन्हीं आधारों पर दायर की गई हैं।

इसके बाद न्यायाधीश ने कहा कि एस.जे. सूर्या को सभी छह मामलों का सामना करना होगा और इन याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। इस पर एस.जे. सूर्या की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि वह सभी छह याचिकाएं वापस लेना चाहते हैं। अदालत ने याचिकाएं वापस लेने की अनुमति देते हुए सभी छह याचिकाओं को वापस ली गई ।

गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नमो ड्रोन दीदी के साथ उड़ाया ड्रोन

विश्व केसरी■



गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों अपने संसदीय क्षेत्र गुना के प्रवास पर हैं। वे बरखेड़ा गिर्द में शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में पहुंचे, जहां उन्होंने नमो ड्रोन दीदी किरण के साथ ड्रोन उड़ाया।

मध्य प्रदेश में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में जनप्रतिनिधि और अधिकारी गांव तक पहुंचाते हैं। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया बरखेड़ा गिर्द गांव में पहुंचे, जहां किरण ने ड्रोन संचालन की तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने उनकी कार्यकुशलता, आत्मविश्वास एवं तकनीक के प्रति सजगता की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नमो ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का प्रभावी उपयोग कर नई संभावनाओं का सृजन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास तथा आधुनिक तकनीक के विस्तार को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

कर्नाटक सरकार ने 'मरीन बायोटेक पॉलिसी' को दी मंजूरी, उडुपी में ब्लू इकोनॉमी इंस्टीट्यूट बनाने का भी फैसला

विश्व केसरी■



बेंगलुरु/मुंबई। कर्नाटक सरकार ने समुद्री क्षेत्र में बड़ी पहल करते हुए 'कर्नाटक मरीन बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी- 2026-31' को मंजूरी दी है। इसके साथ ही तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 12 द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने का भी फैसला लिया गया है।

पॉलिसी के तहत सरकार उडुपी में 'कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन बायोटेक्नोलॉजी एंड ब्लू इकोनॉमी' स्थापित करेगी। इसके साथ ही अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक बायोबैंक और इनक्यूबेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए अगले पांच साल में 60 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव रखा है। इस पहल से समुद्री जैव संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग, रिसर्च और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट ने दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़ और उडुपी जिलों में स्थित 12 द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकसित करने को हरी झंडी दी है। सरकार का लक्ष्य इन द्वीपों को इको-टूरिज्म हब बनाना है।

दूसरी तरफ, भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' और प्रधानमंत्री के 'स्वच्छता ही सेवा' आह्वान के तहत मुंबई के जुहू बीच पर 'इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनअप ड्राइव- 2026' का आयोजन किया गया।

बिहार में 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' शुरू, 30 नवंबर तक छोटे विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' की शुरुआत की। इस अभियान के तहत पंचायत स्तर पर सार्वजनिक सुविधाओं और परिसंपत्तियों को बेहतर एवं स्वच्छ बनाने के साथ नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 30 नवंबर तक छोटे-छोटे विकास कार्यों को हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया।

लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'कायाकल्प' पोर्टल का भी लोकार्पण किया।

इस पोर्टल के जरिए विभिन्न योजनाओं की प्रगति की निगरानी आसान होगी और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

शपथ पत्र

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका पंचकौर बघेल पिता / पति स्व. सुफेल बघेल जति भतरा निवासी ग्राम सोरगांव तहसीलदार भानपुरी के द्वारा अपने गां सरादी पति स्व. सुफेल बघेल की जन्म / मृत्यु दिनांक 21 /09 /2023 को होना बताते हुए जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है ।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 22/09/2026 तक आपत्ति पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीक मुद्रा सहित जारी किया ।

तहसीलदार
भानपुरी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34692...../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34692
वार्ड का नाम 29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR330F00256** जो की निगम अभिलेख श्री । श्रीमती **MRS. MARYAM NAG** पिता / पति श्री श्रीमती **DEENDAYAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. संदीप वैध पिता श्री प्रशांत वैध 2. अर्पणा वैध पति श्री संदीप वैध पिता । पति श्री श्रीमती 1. पिता श्री प्रशांत वैध 2. पति श्री संदीप वैध** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35380..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्रक्र. 35380
वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR344H00045** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **ARJUNDAS** पिता / पति श्री श्रीमती **PRIYAL MAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती भावना मेघानी पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. राजेश कुमार मेधानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35257..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र क्र. 35257
वार्ड का नाम 33 - शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR332J0200A** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **BASANT RAM DHAMECH** पिता / पति श्री श्रीमती **MANSHA RAMDHAMECHA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती श्री सूर्यकांत टाटमिया पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री मणि लाल टाटमिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /... 35461..../ न. पा. नि. जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35461
वार्ड का नाम 14-रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR220A00311** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **RAMJANKI MANDIR SARVARAKAR MAHANT HARIDAS JI GURU LATE. MAHANT GIRIVAR DAS JI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री महंत सुरेन्द्र दास गुरु स्व. महंत हरिदास पिता/पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक न्यास आदेश पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /... 35452... न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35452
वार्ड का नाम 12- कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR330A00032** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **P.L. DEEN** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. उमाकान्ता दीन 2. पीयूष दीन 3. सौरभ दीन पिता/पति श्री श्रीमती स्व. पी.एल.दीन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **B1. MRITYU PRAMAN PATRA** / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं)
: : मंगलम कामर्शियल अगासेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...35455/ न. पा. नि. जोन क्र 7/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35455
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717D00306** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HARISH WADHWANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE TEKCHAND WADHWANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती रम्भा साहू पिता / पति श्री/श्रीमती पति हनुमंत साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया 38वें पुणे फेस्टिवल का उद्घाटन

बोले- विकास और विरासत साथ-साथ चलें

विश्व केसरी■

पुणे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को पुणे के श्री गणेश कला क्रीड़ा रंगमंच में 38वें पुणे फेस्टिवल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, सांसद हेमा मालिनी, सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।



उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश को अपने इतिहास और अपने वीरों के महान बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदू धर्म और भारत की सभ्यतागत विरासत की रक्षा में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

उन्होंने महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बीच ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों का भी जिक्र किया। राधाकृष्णन ने कहा कि मराठा शासकों के प्रयासों की वजह से तमिल साहित्य की अमूल्य धरोहर आज भी तंजावुर की सरस्वती महल लाइब्रेरी में सुरक्षित है।

उपराष्ट्रपति ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महात्मा ज्योतिबा फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुणे के वैश्विक स्वरूप की सराहना करते हुए उन्होंने उद्घाटन समारोह में विदेशी छात्रों की भागीदारी की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि करीब 20 देशों के छात्रों ने पारंपरिक गणेश पूजा कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना का सुंदर उदाहरण है।

राधाकृष्णन ने कहा कि पुणे शिक्षा, उद्योग, खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल निर्माण, पर्यटन और बागवानी का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जबकि उसने अपनी सांस्कृतिक पहचान भी बरकरार रखी है। उन्होंने पुणे फेस्टिवल को शहर को 'सिटी ऑफ फेस्टिवल्स' के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला बताया और इसके संस्थापक दिवंगत सुरेश कलमाड़ी के दृष्टिकोण की सराहना की।

उन्होंने युवा और उभरते कलाकारों को मंच देने वाली 'उगवते तारे' और 'इंद्रधनु' जैसी प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। साथ ही 'महिला महोत्सव' को महिला कलाकारों की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की सभ्यतागत विरासत से जुड़े रहते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिकता और तकनीकी प्रगति परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की भी परिकल्पना करता है। ऐसे सांस्कृतिक उत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन, स्थानीय प्रतिभा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं।

समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने वरिष्ठ अभिनेता मोहन जोशी को भारतीय सिनेमा और रंगमंच में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थापक सुरेश कलमाड़ी पुणे फेस्टिवल लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर की भूटान यात्रा संपन्न, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■



थिम्पू। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को भूटान की अपनी यात्रा पूरी की। इस यात्रा के दौरान दोनों पड़ोसी देशों ने आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी यात्रा की मुख्य बातें शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'भूटान की एक सफल यात्रा पूरी हुई। हमारी दोस्ती के अनोखे रिश्तों की गर्माहट ने दिल छू लिया।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान के विदेश और एक्सटर्नल व्यापार मंत्री ल्योंपो डी. एन. ढुंग्येल के निमंत्रण पर भूटान की आधिकारिक यात्रा की। शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में, दोनों पक्षों ने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत-भूटान की खास और कई तरह की साझेदारी को मजबूत करने में हुई प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने द्विपक्षीय विकास सहयोग में हुई प्रगति की भी सराहना की।

विदेश मंत्री ने भूटान के विकास लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के लिए भारत के समर्थन को दोहराया, जबकि भूटान ने अपनी 13वीं पंचवर्षीय योजना (2024-29) के तहत कई तरह के कार्यक्रमों के लिए भारत से मिले समर्थन की सराहना की।

विदेश मंत्री जयशंकर और उनके भूटानी समकक्ष ढुंग्येल ने मार्च 2024 की ऊर्जा साझेदारी पर संयुक्त विजन के कार्यान्वयन पर संतोष व्यक्त किया और ऊर्जा सहयोग में हाल की प्रगति को याद किया, जिसमें 1020 मेगावाट की पुनातसांगचू-II जलविद्युत परियोजना (एचईपी) का उद्घाटन, इसके टैरिफ प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर और 1200 मेगावाट की पुनातसांगचू-I एचईपी के बांध निर्माण को फिर से शुरू करना शामिल है। बयान में कहा गया, 'उन्होंने भूटान में ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 4000 करोड़ रुपए की रियायती लाइन ऑफ क्रेडिट (ऋण सुविधा) के समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत किया। उन्होंने भूटान में जलविद्युत परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी का भी स्वागत किया, जिससे मौजूदा ऊर्जा सहयोग में नई गति आई है।'

विदेश मंत्री ने गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी (जीएमसी) के लिए भूटान के राजा के विजन के प्रति भारत सरकार के समर्थन को दोहराया। दोनों पक्षों ने जीएमसी पर संयुक्त कार्य समूह के माध्यम से बातचीत को स्वीकार किया और जीएमसी से संबंधित मुद्दों पर सहयोग विकसित करने के प्रयासों को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

अमेरिका ने चीन को 64 सांस्कृतिक अवशेष और जीवाश्म वापस लौटाए

विश्व केसरी■



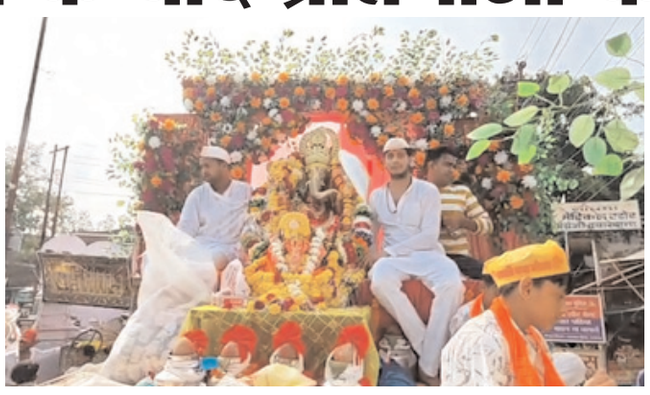
बीजिंग। चीनी राष्ट्रीय सांस्कृतिक अवशेष ब्यूरो ने 16 और 18 सितंबर को अलग-अलग तौर पर वाशिंगटन और न्यूयॉर्क में अमेरिकी भूमि सुरक्षा जांच ब्यूरो और मैनहट्टन जिले के अभियोजक कार्यालय द्वारा वापस दिए गए 64 सांस्कृतिक अवशेष और जीवाश्म स्वीकार किए।

बताया गया है कि इन सांस्कृतिक अवशेषों और जीवाश्म में थ्येनमनशान की नंबर 17 गुफा के पश्चिमी दीवार के उत्तरी हिस्से पर बोधिसत्व का धड़, मूर्तियां, मिट्टी की मूर्तियां, डायनासोर कंकाल के जीवाश्म, मछली के जीवाश्म और डायनासोर के अंडों के जीवाश्म आदि शामिल हैं।

उक्त सभी सांस्कृतिक अवशेष और जीवाश्म अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अपनी ड्यूटी के दौरान जब्त किए गए। चीनी राष्ट्रीय सांस्कृतिक अवशेष ब्यूरो, अमेरिका स्थित चीनी दूतावास और न्यूयॉर्क स्थित कौंसुलेट जनरल ने अमेरिकी पक्ष के साथ सहयोग कर इन सांस्कृतिक अवशेषों, कलाकृतियों और जीवाश्मों की वापसी सफलतापूर्वक हासिल कर ली गई।

फर्रूखाबाद में गणेश महोत्सव की धूम शोभायात्रा के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन

विश्व केसरी■



फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में शुक्रवार को गणेश महोत्सव की धूम रही। शहर के अलग-अलग इलाकों में गाजे-बाजे के साथ भगवान गणेश की शोभायात्राएं निकाली गईं। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु गणेशजी की प्रतिमाएं लेकर पांचाल घाट पहुंचे, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

शहर के विभिन्न इलाकों में गणेश महोत्सव के तहत पंडाल सजाकर भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। शुक्रवार को मोहल्ला नितगंजा में स्थापित गणेश प्रतिमा को ट्रैक्टर-ट्रॉली पर बनाए गए रथ पर विराजमान कर शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद मोहल्ला कटरा में स्थापित गणेशजी की प्रतिमा की भी शोभायात्रा निकाली गई।

इस दौरान मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। करीब 10 फीट की ऊंचाई पर मटकी लटकाई गई, जिसे युवाओं की टोली ने फोड़ी। शोभायात्रा में काली अखाड़े के कलाकारों ने भी करतब दिखाए।

यात्रा में सबसे आगे डीजे चल रहा था, जिसकी धुन पर युवा नृत्य करते नजर आए। इसके पीछे काली अखाड़ा और बैंड-बाजा चल रहा था, जबकि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर भगवान गणेश की प्रतिमा विराजमान थी। रास्ते में श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया।

शोभायात्रा में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। रास्ते में कई जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा शाम करीब पांच बजे पांचाल घाट पहुंची।

बजरिया में स्थापित गणेश प्रतिमा का भी शुक्रवार को विसर्जन किया गया। भगवान गणेश की प्रतिमा को ई-रिक्शा पर विराजमान कर ढोल-नगाड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

तलैया फजल में स्थापित गणेश प्रतिमा का भी विसर्जन किया गया। श्रद्धालु प्रतिमा को लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ पांचाल घाट पहुंचे। रेलवे स्टेशन के पास और मोहल्ला छत्ता दलपत राय में स्थापित गणेश जी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

फडणवीस ने राहुल गांधी की समझ पर उठाए सवाल बोले- चोट माथे पर लगी है, पट्टी घुटने पर कर रहे

विश्व केसरी■



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी की सोच को 'अराजक' बताते हुए आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार को छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए फडणवीस ने शिवसेना, एनसीपी और तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर राहुल गांधी की हालिया आलोचनाओं को खारिज किया। फडणवीस ने कहा, 'राहुल गांधी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि भारत के लोगों ने उनके नेतृत्व को नकार दिया है। उनकी समस्या बहुत सीधी है। चोट माथे पर लगी है, लेकिन वह पट्टी घुटने पर बांध रहे हैं। जिस दिन उन्हें यह समझ में आ जाएगा कि भारत के नागरिक वास्तव में क्या चाहते हैं और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से क्यों खड़े हैं, उस दिन शायद उनकी चुनावी हार का सिलसिला समाप्त हो जाए।' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने वाला एक खतरनाक नैरेटिव आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वह भारतीय संविधान द्वारा बनाई गई संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि लोगों का उन पर से भरोसा उठ जाए। जब इन संस्थाओं पर जनता का विश्वास टूटता है तो लोकतंत्र पर भरोसा भी टूटता है और आखिर में संविधान पर से भी विश्वास खत्म होने लगता है।'

पश्चिम बंगाल: स्क्रैप डिस्पोजल में ईस्टर्न रेलवे टॉप जोन में शामिल

विश्व केसरी■



कोलकाता। ईस्टर्न रेलवे (ईआर) स्क्रैप डिस्पोजल में टॉप थ्री जोनल रेलवे में से एक बनकर उभरा है, जिसने 2026-27 के पहले पांच महीनों के दौरान स्क्रैप बिक्री से 251.92 करोड़ रुपए कमाए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यह स्क्रैप बनने, उसकी पहचान करने और उसे ठिकाने लगाने पर खास नजर रखकर किया गया, ताकि फालतू एसेट्स से ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके और धीरे-धीरे अपनी जगह पर जीरो टालने लायक स्क्रैप जमा होने की तरफ बढ़ा जा सके।

यह कामयाबी ईआर के 'मिशन जीरो स्क्रैप बैलेंस' की लगातार कोशिश का हिस्सा है, जिसका मकसद वर्कशॉप, डिपो, शेड, यार्ड और दूसरी रेलवे जगहों पर पड़े बेकार, पुराने और फालतू सामान की सिस्टमैटिक तरीके से पहचान करना और उन्हें ठिकाने लगाना है।

एक अधिकारी ने कहा, '31 अगस्त 2026 तक 207.17 करोड़ रुपए के बराबर टारगेट के मुकाबले ईस्टर्न रेलवे ने 251.92 करोड़ रुपए हासिल कर लिए हैं, जो टारगेट से 21 प्रतिशत से ज्यादा है। यह कामयाबी फाइनेंशियल ईयर के पहले पांच महीनों में ईआर के 565 करोड़ रुपए के सालाना इंटरनल स्क्रैप-सेल टारगेट का लगभग 45 प्रतिशत भी है।'

6 के इसी समय के दौरान ईआर ने 31 अगस्त 2025 तक 193 करोड़ रुपए की स्क्रैप बिक्री की थी। 251.92 करोड़ रुपए की मौजूदा उपलब्धि पिछले साल के इसी समय की तुलना में 30.5 प्रतिशत ज्यादा है, जो स्क्रैप की पहचान, लॉट बनाने और डिस्पोजल में लगातार तेजी को दिखाती है।

पाकिस्तान का भूजल संकट बदइंतजामी और नीतिगत विफलताओं का नतीजा: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गहराता भूजल संकट प्राकृतिक जल की कमी नहीं, बल्कि शासन की विफलताओं, नीतिगत निष्क्रियता और संसाधनों के खराब प्रबंधन का परिणाम है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अलग-अलग सरकारी विभागों के बीच जिम्मेदारियों के बंटवारे, कमजोर नियमन और जवाबदेही की कमी ने देश में जल संकट को गंभीर बना दिया है। 'यूरोपियन टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान लंबे समय से जल संकट के लिए भारत, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आबादी को जिम्मेदार ठहराता रहा है, जबकि असली वजहें खराब नीतियां, कुप्रबंधन, प्रांतों के बीच पानी का असमान बंटवारा, चोरी और भ्रष्टाचार हैं।

कूनो नेशनल पार्क में जन्मी मादा चीता ने चार शावकों को दिया जन्म, देश में अब संख्या बढ़कर हुई 56

विश्व केसरी■



भोपाल। देश में प्रोजेक्ट चीता के तहत अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाया गया था। अब प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मिली है। भारत में जन्मी मादा चीता 'केजीपी12' ने चार शावकों को जन्म दिया है। यह उपलब्धि ऐसे समय आई है, जब चीता पुनर्वास कार्यक्रम ने एक दिन पहले ही अपने चार वर्ष पूरे किए थे। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में जन्मी मादा चीता द्वारा शावकों को जन्म देना इस परियोजना की दीर्घकालिक सफलता का महत्वपूर्ण संकेत है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए इसे 'प्रोजेक्ट चीता के लिए सचमुच एक ऐतिहासिक और खुशी का पल बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'चार वर्ष, चार नई जिंदगियां... उम्मीद, हिम्मत और भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता का एक सुंदर प्रतीक।'

उन्होंने पूरी कूनो और प्रोजेक्ट चीता टीम को बधाई दी। इन नए जन्मों के साथ भारत में चीतों की संख्या 52 से बढ़कर 56 हो गई है।कूनो नेशनल पार्क में अब 53 चीते हैं, जबकि तीन मध्य प्रदेश के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में हैं। अब भारत में पैदा हुए चीतों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है।

2024 में भारत में पैदा हुई 'केजीपी12', गामिनी की बेटी है। गामिनी एक मादा चीता है, जिसे फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। उसका सफल प्रसव इस कार्यक्रम की प्रगति में एक और महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि दूसरी पीढ़ी के शावक यह दिखाते हैं कि दोबारा लाए गए जानवर भारतीय परिस्थितियों में ढल रहे हैं और प्रजनन कर रहे हैं।

कूनो नेशनल पार्क के वन कर्मचारियों ने शावकों को देखा और वे दूर से ही उन पर नजर रख रहे हैं। प्रोजेक्ट चीता 17 सितंबर 2022 को शुरू किया गया था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए पहले आठ चीतों को कूनो में छोड़ा था।

आजमगढ़ : फर्जी सीओ बनकर शराब ठेका दिलाने के नाम पर 90 हजार की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने सर्कल ऑफिसर (सीओ) बनकर शराब का ठेका दिलाने का झांसा देकर 90,000 रुपए की धोखाधड़ी की।

दरअसल, आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र में फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर शराब का ठेका दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को सीओ अधिकारी बताकर पीड़ित से शराब का ठेका दिलाने के नाम पर 3.20 लाख रुपए की मांग की थी और 90 हजार रुपए नगद ले लिए थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी संजय ने 1 सितंबर को पुलिस की वर्दी पहनकर पीड़ित को वीडियो कॉल भी किया था। शक होने पर पीड़ित ने जब आरोपी के बारे में जानकारी पता की तो उसके फर्जी पुलिस अधिकारी होने का खुलासा हुआ। इसके बाद पीड़ित द्वारा गुरुवार को गंभीरपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

आजमगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को गंभीरपुर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना और लोकेशन के आधार पर रानीपुर रजमों मोड़ के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संजय (निवासी मगरावा, थाना गंभीरपुर, उम्र करीब 40 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से दो कूटरचित पुलिस अधिकारी पहचान पत्र, शराब ठेके का फर्जी आवंटन पत्र, डिप्टी एसपी की पुलिस वर्दी का सेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस इस मामले से जुड़ी आगे की विधिक कार्रवाई करने में जुटी है। मामले को लेकर आजमगढ़ अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, चिराग जैन ने बताया कि थाना गंभीरपुर पुलिस द्वारा फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर 90 हजार रुपए की साइबर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

संपादकीय

विज्ञापन, अखबार और जवाबदेही का सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

अखबार के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित हर सामग्री पाठक के मन में एक विशेष विश्वसनीयता पैदा करती है। यही कारण है कि जब किसी विवादित व्यक्ति या संस्था के पक्ष में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित होता है और उसका प्रस्तुतीकरण समाचार या तथ्यात्मक पड़ताल जैसा दिखाई देता है, तो मामला केवल विज्ञापन और भुगतान तक सीमित नहीं रहता। वह मीडिया की विश्वसनीयता, संपादकीय विवेक और सामाजिक जवाबदेही से जुड़ जाता है।

12 सितंबर 2026 को 'द हिन्दू' के दिल्ली, मोहाली और उत्तर भारत के संस्करणों में ' एक डेरा' से संबंधित एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित हुआ। इसी तरह का विज्ञापन 'दैनिक भास्कर' के दिल्ली संस्करण में भी प्रकाशित होने की रिपोर्ट सामने आई। विज्ञापन का शीर्षक था—'क्या है डेरा? तथ्य बनाम कल्पना'। इसमें डेरा और उसके प्रमुख जो जेल में बन्द ही के पक्ष में कई दावे तथा उनके विरुद्ध चल रहे मामलों को लेकर बचाव का पक्ष प्रस्तुत किया गया था।

विवाद बढ़ने के बाद 'द हिन्दू' ने 13 सितंबर को अपने प्रथम पृष्ठ पर बिना शर्त माफी प्रकाशित की। अखबार ने विज्ञापन को 'आपत्तिजनक' और 'अत्यंत आपत्तिजनक' बताते हुए पाठकों से क्षमा मांगी। 15 सितंबर को अखबार ने यह भी कहा कि वह उस विज्ञापन का बिल नहीं उठाएगा और उससे कोई व्यावसायिक लाभ नहीं लेना चाहता।

यहां से मीडिया की जिम्मेदारी पर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी सामग्री के प्रकाशन के बाद स्वयं प्रकाशक यह स्वीकार करता है कि वह सामग्री गंभीर रूप से आपत्तिजनक थी, तो स्वाभाविक प्रश्न है कि प्रकाशन से पहले उसकी जांच और मूल्यांकन की व्यवस्था कैसी थी? विज्ञापन विभाग और संपादकीय विभाग के बीच संस्थागत दूरी आवश्यक है, लेकिन क्या केवल यह दूरी किसी समाचारपत्र को प्रकाशित सामग्री के सामाजिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त कर देती है?

मुद्दा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि विज्ञापन साधारण उत्पाद या सेवा का प्रचार नहीं था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इसमें डेरा प्रमुख से जुड़े कानूनी मामलों, उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों और संस्था की सामाजिक गतिविधियों को लेकर पक्ष रखा गया था। विज्ञापन में डेरा की ओर से नशामुक्ति, रक्तदान, वृक्षारोपण और अन्य सामाजिक गतिविधियों से संबंधित आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए थे। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि विज्ञापन में दिखाई नहीं देती थी।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। समाचारपत्रों को विज्ञापन प्रकाशित करने का व्यावसायिक अधिकार भी है। लेकिन विज्ञापन को विज्ञापन के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित करना और पाठक को यह बताना कि उसके दावे विज्ञापनदाता के हैं, मीडिया संस्थान की जिम्मेदारी का केवल एक हिस्सा है। जब वही सामग्री प्रथम पृष्ठ पर, अखबार के नाम और प्रतिष्ठा के ठीक नीचे, समाचार-जैसे शीर्षकों और आंकड़ों के साथ प्रस्तुत होती है, तब पाठक के मन में उसके प्रभाव का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है।

विज्ञापन पर अस्वीकरण भी इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। संबंधित प्रकाशनों में यह उल्लेख किया गया था कि विज्ञापन की रचनात्मक सामग्री में अखबार की संपादकीय या पत्रकारिता संबंधी भूमिका नहीं है। फिर भी मीडिया विशेषज्ञों के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल अस्वीकरण पर्याप्त है, विशेषकर तब जब भुगतान की गई सामग्री अत्यंत प्रमुख स्थान पर प्रकाशित हो और उसकी भाषा समाचार जैसी प्रतीत हो।

13 सितंबर को सामने आई तस्वीरों और रिपोर्टों के अनुसार वही विज्ञापन 'दैनिक जागरण' के प्रथम पृष्ठ पर भी प्रकाशित हुआ। यह तथ्य अपने आप में किसी अखबार की संपादकीय नीति पर अंतिम निष्कर्ष देने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न जरूर पैदा होता है—क्या बड़े समाचारपत्रों के पास संवेदनशील विज्ञापनों की स्वीकार्यता तय करने के लिए कोई स्पष्ट नैतिक कसौटी होनी चाहिए?

यह प्रश्न केवल 'दैनिक जागरण', 'दैनिक भास्कर' या 'द हिन्दू' का नहीं है। कल कोई अन्य समाचारपत्र भी ऐसी स्थिति में हो सकता है। यदि मीडिया संस्थान केवल यह कहकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त कर दें कि 'यह विज्ञापन था, समाचार नहीं', तो धीरे-धीरे विज्ञापन और समाचार के बीच की रेखा पाठक के लिए धुंधली हो सकती है।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी पूंजी उसका पाठक-विश्वास है। विज्ञापन से मिलने वाली आय महत्वपूर्ण है, क्योंकि समाचारपत्रों के संचालन में आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। लेकिन व्यावसायिक आवश्यकता और सार्वजनिक विश्वसनीयता के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। विशेषकर ऐसे मामलों में, जिनमें न्यायालयों में चले मामलों, गंभीर आरोपों या दंडित व्यक्तियों से जुड़े प्रश्न शामिल हों, विज्ञापन की भाषा और प्रस्तुतीकरण पर अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है।

यहां मीडिया के सामने एक व्यावहारिक रास्ता भी हो सकता है। विवादित या संवेदनशील विज्ञापनों के लिए स्वतंत्र पूर्व-जांच व्यवस्था हो। ऐसे विज्ञापनों को प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित करने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक हो। तथ्यात्मक दावों और न्यायिक मामलों से संबंधित सामग्री में स्पष्ट रूप से लिखा जाए कि कौन-सा दावा विज्ञापनदाता का है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय का निर्णय मौजूद है।

अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं

ललित गर्ग

विश्व राजनीति में शक्ति केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि कोई महाशक्ति अपने प्रभाव का इस्तेमाल किस प्रकार करती है। आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वत: लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। अगस्त 2026 में भारत रूस से लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात कर रहा था। ऐसे में यदि अमेरिकी राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सीधा असर भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पड़ सकता है और साथ ही भारत की ऊर्जा लागत पर भी दबाव बन सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

यहीं से असली सवाल उठता है-क्या व्यापारिक टैरिफ अब केवल व्यापार संतुलन सुधारने का साधन रह गए हैं या वे विदेश नीति को मनवाने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं? अमेरिका और भारत के बीच व्यापार छोटा नहीं है। 2025 में दोनों देशों का वस्तु एवं सेवा व्यापार लगभग 239.6 अरब डॉलर रहा और अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने भारत से 103.8 अरब डॉलर की वस्तुएं आयात की। इसलिए किसी बड़े अतिरिक्त टैरिफ का असर केवल भारत पर नहीं पड़ेगा, अमेरिकी आयातकों, उपभोक्ताओं और दोनों देशों की कंपनियों पर भी उसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। पहली चुनौती अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने की है और दूसरी ऊर्जा सुरक्षा की। यदि रूसी तेल पर निर्भरता अचानक घटानी पड़े तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में पहले से मौजूद अस्थिरता ऐसी स्थिति को और जटिल बना सकती है। दूसरी ओर अमेरिका को भी यह देखना होगा कि अत्यधिक टैरिफ से वैश्विक तेल आपूर्ति, कीमतों और अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसीलिए मौजूदा कानून में राष्ट्रपति के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट की गुंजाइश भी रखी गई है।

भारत की प्रतिक्रिया का महत्व यहीं बढ़ जाता है। भारत ने न तो किसी शक्ति-गुट के साथ अपने संबंध समाप्त करने की नीति अपनाई है और न ही अपने आर्थिक हितों को किसी एक देश की प्राथमिकताओं के अधीन करने की बात कही है। भारत का घोषित दृष्टिकोण ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना है। यही रणनीतिक स्वायत्तता बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में हाल में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखना उपयोगी होगा। भारत की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में 11 सदस्य देशों ने 140-बिंदु नई दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया। ब्रिक्स ने सीमा-पार भुगतान को अधिक सुगम बनाने तथा सदस्य देशों की स्थानीय मुद्राओं में व्यापारिक निपटान की संभावनाओं पर आगे काम करने का समर्थन किया। साथ



ही भारत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी साझा ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव नहीं है। यह अंतर समझना बेहद जरूरी है। दुनिया तत्काल डॉलर को हटाकर कोई नई वैश्विक मुद्रा स्थापित करने की स्थिति में नहीं है। डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में अत्यंत प्रभावशाली है। लेकिन यदि अनेक देश धीरे-धीरे द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग बढ़ाते हैं, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां विकसित करते हैं और डॉलर पर निर्भरता कम करने के रास्ते तलाशते हैं, तो लंबे समय में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अधिक बहुध्रुवीय हो सकती है। विशेषज्ञ विश्लेषण भी यही संकेत देता है कि डॉलर से दूरी की प्रक्रिया अभी धीमी और क्रमिक है, न कि कोई तत्काल बदलाव।

भारत-रूस संबंध इसका एक व्यावहारिक उदाहरण हैं। सितंबर 2026 में रूसी पक्ष ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का बड़ा हिस्सा अब रुपये और रूबल में निपटाया जा रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रतिबंधों और भुगतान संबंधी बाधाओं के बीच वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्थाएं विकसित की जा सकती हैं। ब्रिक्स की दिशा को इसलिए अमेरिका-विरोधी संगठन के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। नई दिल्ली घोषणा का मूल जोर आर्थिक सहयोग, व्यापार, भुगतान व्यवस्था, विकास और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर है। भारत के लिए इसका महत्व इस बात में है कि वह पश्चिम और गैर-पश्चिम दोनों आर्थिक शक्तियों के साथ संवाद रखते हुए अपने लिए अधिक विकल्प तैयार कर सके। 2025-26 में भारत का ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार 417 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी इस समूह के बढ़ते आर्थिक महत्व को दर्शाता है।

अमेरिका की वर्तमान नीति का सबसे गंभीर प्रभाव शायद टैरिफ से भी आगे जाकर विश्वास और नीति-पूर्वानुमेयता पर पड़ सकता है। जब व्यापारिक शुल्क बार-बार विदेश नीति के दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल होते हैं, तो अन्य देश स्वाभाविक रूप से वैकल्पिक बाजार, वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां खोजने लगते हैं। यह प्रक्रिया अमेरिका को तत्काल कमजोर कर देगी, ऐसा कहना जल्दबाजी होगीय लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसी नीतियां दूसरे देशों को जोखिम कम करने के लिए नए विकल्प तलाशने का प्रोत्साहन देती हैं। भारत के लिए यह समय प्रतिक्रिया की राजनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक तैयारी का है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए व्यापार वार्ता और संवाद के रास्ते खुले रखना आवश्यक है। साथ ही यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, आसियान, रूस और ब्रिक्स देशों में बाजारों का विस्तार, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भी उतना ही जरूरी है। भारत की ताकत किसी एक ध्रुव से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि अनेक ध्रुवों के बीच अपने हितों के लिए पर्याप्त विकल्प बनाए रखने में है।

आज की दुनिया 1990 के दशक जैसी एकध्रुवीय व्यवस्था नहीं रही। चीन का आर्थिक विस्तार, भारत का बढ़ता बाजार, रूस की ऊर्जा क्षमता, पश्चिम एशिया की रणनीतिक भूमिका और ग्लोबल साउथ की बढ़ती सामूहिक आवाज विश्व व्यवस्था को नया आकार दे रही है। ऐसे समय में किसी भी महाशक्ति के लिए दूसरे देशों पर लगातार दबाव डालकर अपनी प्राथमिकताएं मनवाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। भारत की हालिया ब्रिक्स अध्यक्षता ने यह संदेश जरूर दिया है कि भारत टकराव के बजाय संवाद, सहयोग और बहुपक्षीय विकल्पों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन आर्थिक और कूटनीतिक मंचों पर अपनी भूमिका बढ़ाई है, उनका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा जब भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी प्रमुख शक्तियों से संतुलित संबंध बनाए रखे।

अमेरिका के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। उसकी आर्थिक शक्ति, डॉलर की वैश्विक भूमिका, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक गठबंधन आज भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हीं शक्तियों की दीर्घकालीन प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनका उपयोग साझेदारी और भरोसा बनाने के लिए कितना किया जाता है। यदि टैरिफ, प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का सामान्य माध्यम बनते गए, तो दुनिया के दूसरे देश अपने लिए वैकल्पिक रास्ते खोजेंगे। और यही शायद बदलती विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा संकेत है-दुनिया अमेरिका से अलग होने की घोषणा नहीं कर रही, लेकिन वह अमेरिका पर निर्भरता के विकल्प जरूर तलाश रही है। भारत के सामने इसलिए चुनौती केवल अमेरिकी टैरिफ की नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह और अधिक मजबूत करने की है। यदि भारत ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात विविधीकरण, तकनीकी आत्मनिर्भरता और बहुपक्षीय सहयोग को साथ लेकर चलता है, तो किसी भी बाहरी दबाव का सामना करने की उसकी क्षमता बढ़ेगी। यही दृढ़ता भारत की विदेश नीति को अधिक स्वायत्त और विश्व व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाने में योगदान दे सकती है।

प्रकाशमान सत्य श्रीकृष्ण की आनंदमयी अनुभूति हैं राधारानी

डॉ. दीपक गोस्वामी-

'सदा राधिकानाम जिह्वाग्रत: स्यात...' यह केवल स्तुति नहीं, साधना का संकेत है। जिह्वा पर राधा हों तो वाणी में माधुर्य उतरता है, नयन में राधा हों तो दृष्टि में करुणा आती है, श्रवण में राधा हों तो सुनना भी साधना बन जाता है और हृदय में राधा हों तो मनुष्य के भीतर प्रेम का जन्म होता है।

राधा कौन हैं? यह प्रश्न जितना सरल दिखता है, उतना ही गहरा है।

दार्शनिक दृष्टि से श्री राधा को कृष्ण की आह्लादिनी शक्ति के रूप में समझा जाता है, वह शक्ति जिसके माध्यम से आनंद स्वयं को अनुभव करता है। कृष्ण यदि प्रकाशमान सत्य हैं तो राधा उस सत्य की आनंदमयी अनुभूति हैं। दीपक और प्रकाश को अलग-अलग दिखाया जा सकता है, पर उनके अस्तित्व को पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। इसी भावभूमि में राधा-कृष्ण की एकात्मता का दर्शन सामने आता है।

भक्ति की दृष्टि से वही राधा वृषभानु नंदिनी, बरसाने की लाड़िली और ब्रज की ठकुरानी हैं। वह केवल किसी कथा की पात्र नहीं, ब्रज की भाव-संस्कृति का प्राण हैं। सखियों के बीच उनकी हँसी, उनका मान, उनकी चितवन, उनका रूठना और फिर सहज हो जाना,इन सबमें भक्त प्रेम की ऐसी भाषा पढ़ता है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना कठिन है।

और रस की दृष्टि से राधा केवल प्रेम करने वाली नहीं, प्रेम की पराकाष्ठा हैं। संसार का प्रेम प्राय: पाने की इच्छा से शुरू होता है। राधा का प्रेम पाने से आगे जाकर स्वयं को अर्पित करने की ओर ले जाता है। वहाँ प्रश्न यह नहीं रहता कि मुझे क्या मिला, प्रश्न यह हो जाता है कि मैंने अपने प्रिय के लिए क्या छोड़ दिया। यही राधा-तत्व की सबसे बड़ी मधुरता है।

यदि प्रेम केवल अधिकार होता तो मिलन ही उसकी अंतिम मंजिल होता। यदि प्रेम केवल स्वार्थ होता तो दूरी असह्य होती। पर राधा का प्रेम बताता है कि सच्चा नेह कभी-कभी निकटता से अधिक विरह में बोलता है। वहाँ प्रिय की प्रसन्नता अपने सुख से बड़ी हो जाती है।इसीलिए राधा का मान भी प्रेम का ही एक रूप माना गया है। उनका रूठना विरोध नहीं, प्रेम की गहराई का अभिनय है, उस आत्मीयता का संकेत है जहाँ औपचारिकता समाप्त हो जाती है। भक्ति-साहित्य ने इसी भाव को इतने रंगों में चित्रित किया कि राधा का मान स्वयं एक रस बन गया।

कृष्ण के लिए संसार में अनेक उपमाएँ हैं - योगेश्वर, परमात्मा, जगद्गुरु, मुरलीधर। पर ब्रज की गलियों में वही कृष्ण राधा के श्याम बन जाते हैं। यहाँ ऐश्वर्य पीछे छूट जाता है और माधुर्य आगे आ जाता है। यही ब्रज की विशेषता है।

ब्रज में 'राधे-राधे' केवल अभिवादन नहीं। यह एक भाव-संकेत है। सामने वाला कौन है, कितना बड़ा है, कितना छोटा है? इन प्रश्नों से पहले एक ही संबोधन सबको जोड़ देता है - राधे। एक नाम, जिसमें दूरी घटती है और आत्मीयता बढ़ती है।

राधा के सौंदर्य का वर्णन करने बैठो तो शब्द स्वयं संकोच करने लगते हैं। उपमाएँ छोटी पड़ जाती हैं। कवि चंद्रमा कहता है तो चंद्रमा भी फीका लगता है, कमल कहता है तो कमल को ही लज्जा आती है। पर वास्तव में राधा का सौंदर्य केवल मुखाकृति का सौंदर्य नहीं है। वह भाव का सौंदर्य है - करुणा का, समर्पण का, माधुर्य का और उस प्रेम का जिसमें 'मैं' धीरे-धीरे मिटने लगता है। इसीलिए राधा को केवल 'सुंदर' कहना उनके अर्थ को छोटा कर देना है। वह सौंदर्य की अनुभूति हैं।

शक्ति-दर्शन में संधिनी, संवित् और आह्लादिनी का उल्लेख मिलता है। आह्लादिनी का संबंध आनंद और प्रेम से जोड़ा जाता है और गौड़ीय वैष्णव परंपरा में श्री राधा को इस शक्ति की पूर्णतम अभिव्यक्ति माना गया है। यहीं से राधा केवल कथा नहीं रहतीं, वह तत्व बन जाती हैं।

कृष्ण को यदि आनंद का परम स्रोत माना जाए, तो राधा उस आनंद की अनुभूति हैं। समुद्र और उसकी लहर का उदाहरण इसी भाव को समझाने में सहायक है। लहर समुद्र से अलग दिखाई दे सकती है, पर उसका अस्तित्व समुद्र से ही है।

बोध कथा

भेड़िया और मेमना

'जिग्नेश ने कल मुझे अपने घर बुलाया है,' जोश बहुत उत्साहित था। 'स्कूल से ही उसकी माँ मुझे अपने साथ ले जाएगी।'

'घर कहाँ है उसका?' रोष ने पूछा।

'सैम के घर के सामने,' जोश ने जवाब दिया।

'सैम का घर कहाँ है?' रोष ने पूछा।

'जिग्नेश के घर के सामने,' जोश बोला।

'और उन दोनों का घर कहाँ है?' रोष ने फिर पूछा।

'आमने सामने,' मासूम जवाब मिला।

'अच्छा झुआन्गज़ी,' रोष ने हार मान ली। 'मैं तेरी माँ से पूछ लूँगा।'

'ज़ुआंग झोउ?' जोश रुका, और बाप की बात पर ध्यान देने लगा।

'च्वांग्त्से,' रोष ने हामी भर कर आगे कहा, 'महान चीनी विचारक और ज़ेन बौद्ध दार्शनिक जो दो हज़ार साल पहले हुआ करता था। एक मशहूर एशियाई कहानी है झुआन्गज़ी के बारे में। ' 'वो और हुईज़ी एक बार हाओ झरने के बांध के किनारे-किनारे चले जा रहे थे। सुंदर धूप खिली हुई थी। नदी के मीठे पानी में रहने वाली नन्ही मछलियाँ बांध के साफ पानी में इधर-उधर उछल कूद मचा रही थीं।'

'ये छोटी मछलियाँ,' झुआन्गज़ी ने टिप्पणी की, 'पानी से बाहर उछलतीं और मनचाही दिशा में दौड़ी जातीं। सही में मौज ले रही हैं।'

'आप तो मछली नहीं हो,' हुईज़ी ने बात पकड़ ली। 'आपको कैसे पता कि मछली को क्या पसंद है?'

'आप तो मैं नहीं हो,' झुआन्गज़ी ने कहा। 'आपको कैसे पता कि मुझे नहीं पता, कि मछली को क्या पसंद है?'

'मैं आप नहीं हूँ,' हुईज़ी ने बहस की, 'तो मुझे यकीनन नहीं पता कि आपको क्या पता है। लेकिन आप मछली नहीं हो। तो आपको निश्चित रूप से नहीं पता कि मछली को क्या पसंद है!'

कविता

हिंदी : हमारी अस्मिता

डॉ अनुज प्रभात

हिंदी है पहचान हमारी,
हिंदी है अभिमान हमारा।
शब्द-शब्द में देश धड़कता,
हिंदी है स्वाभिमान हमारा।

भाषा से ही राष्ट्र सँवरता,
भाषा से साहित्य निखरता;
अतीत की जब बात करें हम,
भाषा में इतिहास उतरता।

निज भाषा हिंदी है अपनी,
माटी की सौंधी-सी गंध लिए;
सिंधु-सभ्यता की स्मृतियों से
युग-युग के संबंध लिए।

संस्कृति की यह आत्मा बनकर
जन-मन में रस घोल रही,
लोक-कंठ से राजभवन तक?
अपनी पहचान बोल रही।

सीमाओं के पार निकलकर
विश्व-क्षितिज तक जा पहुँची,
भारत की संवेदना लेकर
अब हिंदी विश्व में जा पहुँची।

हिंदी केवल भाषा भर नहीं,
यह जीवन की रवानी है;
इसके अक्षर-अक्षर में
भारत की अमिट कहानी है।

हिंदी नाम है हिंदुस्तान का,
हिंदी स्वप्न अरमानों का;
आओ, मिलकर इसे सँवारें—
मान बढ़ाएँ हिंदी का।

निज भाषा का मान रहे तो
निज संस्कृति सम्मानित होगी;
हिंदी जब समृद्ध बनेगी,
भारत की पहचान समृद्ध होगी।

दीनदयाल चौक,
फारबिसगंज -
अररिया (बिहार
)854318
मो.7979966155
/9470023249

व्यंग्य केसरी

राजनीति में सत्यवादी की तलाश



बेबाक बनारसी

एक दिन अचानक आत्मज्ञान जागा और हमने तय किया कि राजनीति के इस अथाह समंदर में एक अदद सत्यवादी ढूँढकर ही दम लेंगे। शुभचिंतकों ने समझाया कि जिस तरह राशन की कतार में धीरज और कोयले की खान में सफेदी नहीं मिलती, उसी तरह सियासत की सीढ़ियों पर सच का दम घुट जाता है। पर हम भी धुन के पक्के थे; हाथ में दिया लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े बाज़ार में निकल पड़े।

पहले चौराहे पर एक खादीधारी नेताजी भारी जनसैलाब को संबोधित कर रहे थे। लाउडस्पीकर गरज रहा था, 'भाइयों-बहनों, हमारी सरकार बनी तो हर गली में दूध की नदियाँ बहेंगी और गरीबी को बोरियों में भरकर सीमा पार फेंक दिया जाएगा!' भाषण खत्म होते ही हमने लपककर उनका कुर्ता थामा और धीरे से पूछा, 'नेताजी, क्या यह सच है?' नेताजी ने हमें ऐसे घूरा मानो हमने उनके गुप्त बैंक खाते का पासवर्ड माँग लिया हो। फिर हमारे कंधे पर हाथ रखकर फुसफुसाए, 'पागल हो क्या भाई? राजनीति में सच बोलना वैसा ही अक्षम्य अपराध है जैसे हलवाई से यह पूछना कि समोसे का आलू तीन दिन पुराना तो नहीं। यह झूठ नहीं, जनता के सपनों का लोकल एक्सटेंशन है।'

आगे बढ़े तो एक टीवी स्टूडियो के बाहर राष्ट्रीय प्रवक्ता जी मिल गए। उनका कोट प्रेस था और चेहरे पर असीम गंभीरता। हमने विनती की, 'प्रवक्ता महोदय, संसद से सड़क तक कोई एक ऐसा राजनेता बताइए जो कभी झूठ न बोलता हो?' प्रवक्ता जी ने ठहाका लगाया और बोले, 'सत्यवादी तो राजा हरिश्चंद्र भी आधे-अधूरे थे, उन्होंने कम से कम कोई पीआर एजेंसी तो हायर नहीं की थी! राजनीति में सच बोलना राजनीतिक आत्महत्या की पहली सीढ़ी है। यहाँ जो सच बोल दे, उसकी ज़मानत ज़ब्त हो जाती है और जो सबसे सलीके से झूठ को 'जनहित' साबित कर दे, वह चाणक्य कहलाता है।'

हार-थककर हम एक नवयुवक प्रत्याशी के पास पहुँचे, जिसने कल ही राजनीति में ईमानदारी की क्रांति लाने का पर्चा भरा था।

हमने कहा, 'बेटा, तुमसे उम्मीद है। तुम तो सच बोलोगे?' उसने मुस्कुराकर हमारे पाँव छुए और निहायत अदब से कहा, 'चाचा, सच केवल विपक्ष में रहते हुए बयान देने के काम आता है। सत्ता मिलते ही सच को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर फाइलों में दबा दिया जाता है।'

तभी मंच से एक बागी नेता की आवाज़ गूँजी, 'भाइयों, मैं सिर्फ कमीशन खाने और अपनी सात पीढ़ियों को सेट करने चुनाव लड़ रहा हूँ!' भीड़ सन्न रह गई। हमें लगा, मिल गया आज का हरिश्चंद्र! पर अगले ही पल उनकी पार्टी ने प्रेस नोट जारी कर दिया कि 'नेताजी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है, उनके बयान को गंभीरता से न लिया जाए।'

इतिहास

19 सितंबर का भारतीय और विश्व इतिहास में विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन कई ऐतिहासिक घटनाएँ, जन्म और निधन हुए हैं।महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ।1893: न्यूज़ीलैंड दुनिया का ऐसा पहला देश बना, जिसने महिलाओं को मतदान (वोट) देने का अधिकार दिया।1957: संयुक्त राज्य अमेरिका ने नेवादा के रेगिस्तान में अपना पहला भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।1983: कैरीबियन द्वीप समूह स्थित 'सेंट किट्स एवं नेविस' ब्रिटिश उपनिवेश से स्वतंत्र हुआ।1985: मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में इतिहास का सबसे भयानक भूकंप आया, जिसमें भारी तबाही हुई और हजारों लोगों की जान गई।2007: भारत के विस्फोटक बल्लेबाज युवराज सिंह ने टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में लगातार 6 छक्के लगाकर इतिहास रचा और 12 गेंदों पर सबसे तेज अर्धशतक (50 रन) का रिकॉर्ड बनाया।


स्टेट बैंक चौक


रोहित एजेंसी


शबरी चौक


मठ मंदिर


मध्यनगरी चौक


गोपाल केंवट घर


रामघाट

नगर के विभिन्न स्थानों में विराजे प्रथम पूज्य गणेश



गणेशोत्सव को लेकर नगर में उत्साह का माहौल, चौक-चौराहों में की गई स्थापना

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। प्रथम पूज्य भगवान गणेश के महापर्व गणेश चतुर्थी के अवसर पर धर्मनगरी शिवरीनारायण में आस्था और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। नगर के विभिन्न चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थलों के साथ ही घरों में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं। गणपति बप्पा की स्थापना के साथ ही नगर में गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई है।

गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए युवाओं एवं गणेश उत्सव समितियों द्वारा आकर्षक पंडाल तैयार किए गए हैं। कहीं भव्य विद्युत सज्जा की गई है तो कहीं आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सुबह-शाम भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना, आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

नगर के विभिन्न हिस्सों में विराजित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। बच्चों और युवाओं में गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। गणेश समितियों द्वारा पूरे उत्सव के दौरान धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

धर्मनगरी शिवरीनारायण में गणेशोत्सव के चलते शाम होते ही नगर का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। पंडालों में गूंजती गणपति बप्पा मोरया की जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो रहा है। श्रद्धालु भगवान श्री गणेश जी से सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

गणेशोत्सव को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह है और आगामी दिनों में विभिन्न गणेश पंडालों में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर भी लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

सात दिन बाद भी कैमरों से दूर हमलावर बाघिन, जंगल-खार में लगातार मिल रहे सुराग; दहशत में किसान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोटा क्षेत्र के ग्राम दवनपुर में किसान पर हमले के सात दिन बाद भी बाघिन वन विभाग के ट्रैक कैमरों में कैद नहीं हो सकी है। हालांकि दवनपुर समेत आसपास के दानोखार, झिंगटपुर, लारीपारा, परसदा और पिपरखुंटी के जंगल-खार में उसकी मौजूदगी की सूचनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। खेतों में जाने से किसान बच रहे हैं, जिसका सीधा असर खरीफ फसल की देखभाल पर पड़ रहा है।

सात दिन से तलाश जारी, कैमरों में नहीं आई बाघिन

शनिवार सुबह करीब 7 बजे दवनपुर निवासी किसान संजू मरकाम खेत में खाद डालने गया था। इसी दौरान अचानक बाघिन ने उस पर हमला कर दिया। संजू ने साहस दिखाते हुए हाथ में रखे प्लास्टिक के घमेला से बाघिन के मुंह पर वार किया। इसके



बाद बाघिन जंगल की ओर भाग गई। घटना के बाद वन विभाग ने बाघिन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में ट्रैक कैमरे लगाए और निगरानी बढ़ा दी। इसके बावजूद सात दिन बाद भी बाघिन कैमरों में नजर नहीं आई है।ण वहीं ग्रामीणों से उसकी गतिविधियों की सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। रविवार को दानोखार में बाघिन दिखाई देने की सूचना मिली। सोमवार सुबह झिंगटपुर के जंगल में उसकी मौजूदगी की खबर सामने आई। इसके बाद झिंगटपुर और लारीपारा के बीच स्थित खार में बाघिन द्वारा एक गाय पर हमला किए जाने की बात सामने आई। घायल गाय की कुछ देर बाद मौत हो गई। मंगलवार को परसदा और पिपरखुंटी क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी बाघिन के देखे जाने की सूचना दी।

खेतों में जाने से डर रहे किसान

बाघिन की लगातार गतिविधियों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई किसानों ने खेतों में जाना लगभग बंद कर दिया है। खरीफ फसल में इस समय खाद डालने, निंदाई और अन्य जरूरी कृषि कार्य चल रहे हैं, लेकिन बाघिन के डर से किसान खेतों तक जाने से बच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समूह में जाने के बावजूद जंगल और खार से लगे खेतों में काम करना जोखिम भरा महसूस हो रहा है।

गांवों में मुनादी कर किया जा रहा सतर्क

बाघिन की गतिविधियों को देखते हुए दवनपुर के कोटवार कन्हैया दास मानिकपुरी ने गांव में मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क किया है। लोगों को शाम के बाद अकेले घर से बाहर नहीं निकलने तथा जंगल-खार की ओर जाने से बचने की सलाह दी गई है। दानोखार, झिंगटपुर, लारीपारा, परसदा, पिपरखुंटी और मानपुर क्षेत्र में भी ग्रामीणों को अलर्ट किया गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघिन की जल्द पहचान और लोकेशन ट्रेस करने के साथ उसकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है, ताकि किसान सुरक्षित रूप से अपने खेतों में काम कर सकें।

ट्रैक टीम लगातार कर रही निगरानी

एटीआर की फील्ड डायरेक्टर प्रियंका पांडे ने बताया कि बाघिन की तलाश के लिए ट्रैक टीम लगातार निगरानी कर रही है। फिलहाल बाघिन ट्रैक कैमरों में नजर नहीं आई है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

- प्रियंका पांडे, फील्ड, डायरेक्टर, एटीआर, बिलासपुर

रायपुर में 21 से 27 सितंबर तक होगा भव्य श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

प्रख्यात भागवत आचार्य पूज्य इंद्रेश जी महाराज करेंगे अमृत वर्षा 21 सितंबर को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित कृषि उपज मंडी ग्राउंड में आगामी 21 से 27 सितंबर तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ससाह ज्ञान यज्ञ का विराट एवं गरिमा में आयोजन होने जा रहा है। कथा के शुभारंभ अवसर पर 21 सितंबर सोमवार को प्रात: 10:00 बजे भव्य मंगल कलश यात्रा निकल जाएगी। इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक प्रख्यात भागवत आचार्य एवं युवा आध्यात्मिक वक्त पूज्य इंद्रेश जी महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का अमृत रस पान कर आएंगे।



कथा के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य आयोजक गुंजन प्रजापति ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर 21 सितंबर को प्रात: 10:00 बजे श्री राम जानकी मंदिर कृषि उपज मंडी के सामने देवेंद्र नगर से भव्य कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ होगी या मंगल कलश यात्रा प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल मंडी ग्राउंड देवेंद्र नगर पहुंचेगी। इस पावन यात्रा में रायपुर सहित आसपास के क्षेत्र से विशाल संख्या में मातृशक्ति धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की उम्मीद है उन्होंने बताया कि कथा में शामिल होने के लिए माता एवं बहनों को पीले रंग की साड़ी धारण करना अनिवार्य होगा। सनातन धार्मिक परंपरा में पीला रंग मंगल सुचिता का प्रतीक है । गुंजन प्रजापति ने कहा की कथा में आने वाले वाले हजारों श्रद्धालुओं हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही हैं। कथा स्तर पर विशाल एवं सुरक्षित वाटरप्रूफ डम तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं के लिए उचित बैठक व्यवस्था शीतल एवं शुद्ध पेयजल प्राथमिक चिकित्सा एवं सुरक्षा आदि के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं ताकि कथा श्रवण हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम एवं भक्ति में वातावरण मिल सके।

माता शबरी के लिए भगवान नारायण यहां आए थे : राघवाचार्य

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। अवधपुरी धाम उत्तर प्रदेश से पधारे हुए आनंत श्री विभूषित स्वामी राघवाचार्य महाराज ने शिवरीनारायण पहुंचकर भगवान नर -नारायण का दर्शन किया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने उन्हें भगवान का दर्शन पूजन कराया। शिवरीनारायण के संदर्भ में आचार्य जी ने कहा कि- *माता शबरी भगवान की परम भक्त थीं। भगवान ने उन्हें यहां नवधा भक्ति का उपदेश दिया भगवान नारायण उनके लिए यहां पर आए थे*। यहां पर भगवान का दर्शन करके परम आनंद की अनुभूति होती है। *सन 2010 में पूज्य महाराज जी की कृपा से इस पवित्र भूमि में भगवान की कथा कहने का, रघुनाथ जी की कथा सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। यह दिव्य स्थान है,भगवान



रघुनाथ जी का अनुज लक्ष्मण जी के साथ विग्रह विद्यमान है। भगवान यहां माता सीता की खोज करते हुए आए थे यह सनातन धर्म का केंद्र है। उन्होंने मठ मंदिर में भी दर्शन पूजन किया और अपने बीते हुए समय को याद किया। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे हुए संत महात्म गण तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े, विकास शर्मा,त्यागी जी महाराज, सुखराम दास जी, बुद्धेश्वर केसरवानी, विष्णु हरी गुप्ता, निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे, खगेश वर्मा, पुनिराम केसरवानी, अंकित दुबे सहित अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया दो दिवसीय 'ईकॉन 2026' का भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ (ईमैक) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य-स्तरीय महाकुंभ 'ईकॉन 2026' (इवेंट एंड एंटरटेनमेंट कॉन्क्लेव 2026) का भव्य शुभारंभ शुक्रवार, 18 सितम्बर को राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित 'द वाहे - बैंक्वेट एंड रिसॉर्ट्स' में हुआ। राष्ट्रीय संस्था ईमा एवं सीओआरईए के सहयोग से आयोजित इस ऐतिहासिक कॉन्क्लेव के प्रथम दिन का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

पारंपरिक पंथी नृत्य से हुआ मुख्य अतिथि का स्वागत-



सभागार में आगमन पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव का स्वागत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पंथी नृत्य, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। औपचारिक उद्घाटन से पूर्व उन्होंने स्थल पर सजी भव्य इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन का अवलोकन किया और लोकल व नेशनल एग्जीबिटर्स के इनोवेशंस की सराहना की।

'आजीविका और संस्कृति का संवाहक है इवेंट सेक्टर' :

अरुण साव - उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी फेस्टिविटी, सेलिब्रेशन और लोक-संस्कृति के लिए विख्यात है। राज्योत्सव, हरेली, पंथी, राउत नाचा से लेकर बस्तर के जनजातीय पर्वों तक हमारी सांस्कृतिक धरोहर को देश-विदेश के आधुनिक मंचों तक ले जाने में इवेंट इंडस्ट्री एक सेतु की भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उद्योग केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि डेकोरेशन, टेंट, साउंड-लाइट, कैटरिंग, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और लोक कलाकारों से जुड़े हजारों परिवारों व स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की आजीविका का मजबूत आधार है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नया रायपुर का विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तथा चित्रकोट, बारनवापारा और मैनपाट जैसे प्राकृतिक पर्यटन केंद्र छत्तीसगढ़ को डेस्टिनेशन वेडिंग, राष्ट्रीय सम्मेलनों एवं सांस्कृतिक पर्यटन का शीर्ष गंतव्य बनाने की पूरी क्षमता रखते हैं। उन्होंने उद्योग जगत से उच्च सुरक्षा मानकों, नियमों और व्यावसायिकता का पालन करते हुए शासन के बड़े आयोजनों में सक्षम भागीदार बनने का आह्वान किया।

अब 24 घंटे खुला रहेगा उसलापुर का रेल कोच रेस्टोरेंट

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर के प्रमुख रेलवे केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहे उसलापुर स्टेशन पर अब देर रात ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों को खान-पान के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। रेलवे ने स्टेशन परिसर में संचालित रेल कोच रेस्टोरेंट को 24 घंटे खुला रखने का निर्णय लिया है। अभी तक रेस्टोरेंट रात 10 बजे बंद हो जाता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को देर रात से सुबह तक स्टेशन पर ही गर्म भोजन, नाश्ता और अन्य खान-पान की सुविधा मिल सकेगी।

रात 10 बजे के बाद भी ट्रेनों की आवाजाही

उसलापुर स्टेशन पर रात 10 बजे के बाद भी ट्रेनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस सहित कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें रात और तड़के इस स्टेशन से गुजरती हैं। रात 10:25 बजे दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस (18205/18201) तथा दुर्ग-



कानपुर बेतवा एक्सप्रेस (18203) का आवागमन होता है। इसके बाद रात 10:30 बजे बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस (18236) रवाना होती है देर रात 11:20 बजे दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस (15160), रात 1:20 बजे भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस (18235) और तड़के 2:25 बजे गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस (15232) पहुंचती है। सुबह 4 बजे चिरिमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस (18258), 5:40 बजे छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस (15159), 6:10 बजे अमरकंटक एक्सप्रेस (12854), 6:20 बजे गरीबरथ एक्सप्रेस (12535), 7:45 बजे हमसफर एक्सप्रेस (22868) और 8:05 बजे रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस (18248) का आवागमन होता है।

एक लाख दीपों से जगमगाया त्रिवेणी संगम

विश्व केसरी■

रिगनी / खरौद (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा शिवरीनारायण मंडल की ओर से महानदी के त्रिवेणी संगम तट पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान त्रिवेणी संगम के तट पर एक लाख दीप प्रज्ज्वलित किए गए लाखों दीपों से जगमगाते महानदी तट का दृश्य लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर विधि-विधान के साथ भव्य गंगा आरती भी की गई।

कार्यक्रम में पवन साय, अमर अग्रवाल, नारायण चंदेल, डॉ. रामसुंदर दास महाराज, अम्बेश जांगड़े, संजय अग्रवाल, राहुल थवाईत, कलेक्टर



जन्मेजय महोबे, एसपी विजय कुमार पांडेय, एसडीओपी तोमेश वर्मा एवं थाना प्रभारी के.पी. सिंह भाजपा ,लोकेश शुक्ला मंडल अध्यक्ष शिवरीनारायण, ललीत कश्यप जिला महामंत्री,शिवम केडिया युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश यादव अमन मुकीम निकेश केशरवानी रितेश केशरवानी वैभव केशरवानी भुनेश्वर कश्यप युवराज यादव रिंकू कुंभकार कबीर साहू प्रियांशु निर्मलकर प्रतीक तिवारी अखिलेश भीष्म यशवंत वैष्णव अनिकेत रायसागर आशीष दुबे अमन कुम्भकार छतराम देवांगन अजय केवट दिनेश साहू गोपाल पटेल खगेन्द्र साहू मेलाराम कश्यप सिद्धार्थ शुक्ला एवं

पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शाम होते ही महानदी के तट पर दीप प्रज्ज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ। देखते ही देखते त्रिवेणी संगम दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। नदी के किनारे एक साथ जलते दीपों का दृश्य मनमोहक रहा। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

गंगा आरती के दौरान भक्तिमय हुआ माहौल- दीप प्रज्ज्वलन के बाद महानदी तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंत्रोच्चार और आरती की धुन से त्रिवेणी संगम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आरती में शामिल होकर महानदी की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन



विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चाम्पा में आयोजित तीन दिवसीय प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता का गुरुवार को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से पहुंची टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के शानदार मुकाबलों से पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साहवर्धक नारों से गूंजता रहा।

समापन समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर रवि पांडे, प्रदेश प्रवक्ता एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत जांजगीर-चांपा की अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक लोमस राम साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद देवांगन, प्रतियोगिता संयोजक डॉ. शांति कुमार सोनी एवं प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप मंचासीन रहे। प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं प्रांत खेल प्रमुख दिवाकर स्वर्णकार ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी आगामी 18 से 21 सितंबर तक चाम्पा विद्यालय में आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सेंसेक्स सपाट, निफ्टी ने पकड़ी रफ्तार

विश्व केसरी■

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक यानी 0.03 प्रतिशत गिरकर 74,294.96 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत बढ़कर 23,346.40 पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 1.24 प्रतिशत और 1.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी केमिकल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।



निफ्टी 50 इंडेक्स में अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और अपोलो हॉस्पिटल टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि टीसीएस, टीएमपीवी, एसबीआई लाइफ, कोल इंडिया, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, टाटा कंज्यूमर और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद, कच्चे तेल की कीमतों और ग्लोबल यील्ड में नरमी से रिस्क लेने की इच्छा बढ़ी, जिससे भारतीय इक्विटी में रिकवरी जारी रही। बड़े सेंट्रल बैंकों द्वारा उम्मीद के मुताबिक, पॉलिसी एक्शन के बाद मिले पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों से निवेशकों का भरोसा और बढ़ा।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि रिकवरी सभी सेक्टर में दिखी, हालांकि प्रॉफिट बुकिंग के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों का असर ग्लोबल टेक खर्च पर पड़ सकता है। हालांकि तेल की कीमतों और यील्ड में हालिया नरमी से कुछ समय के लिए राहत मिली है, लेकिन मार्केट की रिकवरी कितनी बनी रहेगी, यह ग्लोबल मैक्रो रिस्क में और कमी आने और विदेशी निवेशकों के निवेश में ठोस बढ़ोतरी पर निर्भर करेगा।

आयकर कानून की धारा 147ए पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम राहत, आकलन प्रक्रिया पर भी रोक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 147ए को असंवैधानिक घोषित किया गया था और अधिकार क्षेत्र वाले आकलन अधिकारियों द्वारा जारी किए गए द्वारा जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिसों को भी रद्द कर दिया था।



जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार और अन्य इनकम टैक्स अधिकारियों की ओर से दायर एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया। इस एसएलपी में 10 सितंबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुख्य मामले का अंतिम निपटारा होने तक असेसमेंट की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाएगी और आदेश दिया कि मामले को अंतिम सुनवाई के लिए 3 दिसंबर को लिस्ट किया जाए। जस्टिस पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने आदेश दिया कि हाईकोर्ट के फैसले और आदेश पर तब तक रोक रहेगी, जब तक मुख्य मामले का अंतिम निपटारा नहीं हो जाता और असेसमेंट की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाती।

यह कार्यवाही पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के सामने दायर याचिकाओं के एक समूह से जुड़ी थी, जिनमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 147ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। इस धारा को फाइनेंस बिल, 2026 के माध्यम से 1 अप्रैल, 2021 से पिछली तारीख से लागू किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने यह घोषणा करने की मांग की थी कि धारा 147ए संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(जी) और 265 का उल्लंघन करती है। उन्होंने एक्ट की धारा 148 के तहत जारी नोटिसों को भी चुनौती दी और तर्क दिया कि ये नोटिस एक्ट की धारा 151ए और उसके तहत बनाई गई योजना में बताए गए ऑटोमेटेड एलोकेशन मैकेनिज्म के माध्यम से जारी नहीं किए गए थे। हाईकोर्ट ने 10 सितंबर को सुनाए गए अपने फैसले में कहा था कि धारा 147ए को पिछली तारीख से लागू करने से मौजूदा कानूनी ढांचे को दरकिनार नहीं किया जा सकता, जिसके तहत रैंडमाइज्ड एलोकेशन और फेसलेस कार्यवाही की आवश्यकता होती है।

भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (1 अप्रैल से 17 सितंबर तक) सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। यह जानकारी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से शुक्रवार को दी गई।

सरकारी डेटा के मुताबिक, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 14.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

कॉर्पोरेट कर संग्रह 19.48 प्रतिशत बढ़कर लगभग 5.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से होने वाला कर संग्रह 6 प्रतिशत बढ़कर 6.16 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया है।। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में, 1 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 53 प्रतिशत बढ़कर 40,214 करोड़ रुपए हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान रिफंड जारी करने में 29 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई और यह 2.2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया।



17 सितंबर तक एडवांस टैक्स संग्रह 16.18 प्रतिशत बढ़कर 5.22 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसमें एडवांस कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4.16 लाख करोड़ रुपए और नॉन-कॉर्पोरेट एडवांस टैक्स संग्रह 9.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.06 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

पिछले महीने के आखिर में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में भारत का राजकोषीय घाटा 4.55 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य का 26.8 प्रतिशत है।

यह पिछले साल इसी अवधि के राजकोषीय घाटा से कम है, जो 4.7 लाख करोड़ रुपए था और पूरे वित्त वर्ष के अनुमान का 29.9 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2027 के लिए, केंद्र सरकार ने 16.96 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय घाटे का बजट रखा है, जो देश की जीडीपी का 4.3 प्रतिशत है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 प्रतिशत का राजकोषीय घाटे लक्ष्य हासिल किया था और राजकोषीय समेकन के तहत मौजूदा वित्त वर्ष के लिए इसे घटाकर जीडीपी का 4.3 प्रतिशत कर दिया है।

राजकोषीय घाटे में कमी आने से अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होती है और कीमतों में स्थिरता के साथ विकास का रास्ता खुलता है। इससे सरकार की उधारी कम होती है, जिससे बैंकिंग सेक्टर में कॉर्पोरेट्स और उपभोक्ताओं को कर्ज देने के लिए ज्यादा फंड बचता है, और इससे आर्थिक विकास में तेजी आती है।

तेल की कीमतों में उछाल से निपटने पाकिस्तान ने सरकारी वाहनों के ईंधन कोटे में कटौती की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने सरकारी खर्च में कटौती के लिए एक नए दौर के उपायों की घोषणा की है। इनमें सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में कटौती भी शामिल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति बाधित होने के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर ये कदम उठाए गए हैं। यह जानकारी कई मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है।



कई रिपोर्टों के अनुसार, इन उपायों में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में कटौती, सरकारी संस्थाओं द्वारा नए वाहनों की खरीद पर रोक, अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर प्रतिबंध और आधिकारिक रात्रिभोज पर रोक शामिल है।

इस साल खर्च कटौती के लिए दूसरी बार घोषित किए गए इन उपायों में आईटी उपकरणों को छोड़कर सरकारी संस्थाओं द्वारा टिकाऊ वस्तुओं की खरीद पर रोक और बैठकों के लिए टेलीकॉन्फ्रेंसिंग का इस्तेमाल करने का निर्देश भी शामिल है।

पाकिस्तान ने मार्च में ऊर्जा बचाने के लिए दो सप्ताह के लिए स्कूल बंद कर दिए थे, सभी सरकारी विभागों में ईंधन के इस्तेमाल में कटौती की थी और कंपनियों से अधिक कर्मचारियों को घर से काम करने की सुविधा देने का आग्रह किया था।

बढ़ती कीमतों के असर को कम करने के लिए दक्षिण एशियाई देश ने बुधवार से मोटरसाइकिल, रिक्शा और छोटी कारों के मालिकों को प्रति लीटर 100 पाकिस्तानी रुपए की ईंधन सब्सिडी भी लागू की है। यह सब्सिडी हर महीने तय सीमा तक ईंधन की खरीद पर दी जा रही है।

ईरान संकट और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर से कर्ज चुकाने की मांग ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इससे पहले से ही भारी कर्ज के बोझ तले दबे देश की आर्थिक स्थिति पर और दबाव बढ़ा है। इसके अलावा, सरकार के बढ़ते रक्षा खर्च ने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित कर दिया है, जो दीर्घकालिक और स्थिर आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी हैं।

पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में निर्यात की हिस्सेदारी 1990 के दशक में करीब 16 प्रतिशत से घटकर 2024 में लगभग 10.4 प्रतिशत रह गई है, जबकि कर्ज-जीडीपी अनुपात करीब 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरानी क्षेत्र पर संयुक्त हमले किए जाने के बाद 28 फरवरी को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिसके बाद पाकिस्तान को खाड़ी देशों से होने वाली तेल आपूर्ति बाधित हो गई।

रियल एस्टेट ट्रांसपेरेंसी में भारत ने लगाई बड़ी छलांग, वैश्विक रैंकिंग में 26वें स्थान पर पहुंचा: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक रियल एस्टेट पारदर्शिता सूचकांक में पांच स्थानों की छलांग लगाते हुए 26वां स्थान हासिल किया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे अधिक सुधार करने वाले पांच बाजारों में शामिल हो गया है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र का सबसे बड़ा सुधारक देश बनकर उभरा है।



जेएलएल की ग्लोबल रियल एस्टेट ट्रांसपेरेंसी इंडेक्स (जीआरईटीआई) रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रगति के साथ भारत 'ट्रांसपेरेंट' श्रेणी के मध्य स्तर में पहुंच गया है, जो नियामकीय ढांचे, लेनदेन प्रक्रियाओं और स्थिरता संबंधी मानकों में लगातार हुई प्रगति का परिणाम है।

जेएलएल इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राधा धीर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर चौथा और पिछले 20 वर्षों में तीसरा सबसे बड़ा सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया के सबसे पारदर्शी बाजारों के बराबर पहुंचने और 'हाइली ट्रांसपेरेंट' श्रेणी में प्रवेश करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पारदर्शिता में सुधार के साथ-साथ भारत में निवेश गतिविधियों में भी रिकॉर्ड वृद्धि देखने को मिली है। वर्ष 2025 में निजी इक्विटी निवेश बढ़कर 10.5 अरब डॉलर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक था। वहीं, 2026 की पहली छमाही में यह निवेश 4.3 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत ज्यादा है।

भारत का ऑफिस आरईआईटी बाजार भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2024 में जहां इसका आकार 104 मिलियन वर्ग फुट था, वहीं 2026 में यह बढ़कर 164 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, देश के लगभग आधे ग्रेड-ए ऑफिस स्टॉक अब आरईआईटी के लिए उपयुक्त माने जा रहे हैं।

भारत ने सबसे मजबूत सुधार नियामकीय और कानूनी मानकों के क्षेत्र में दर्ज किया। इस श्रेणी में देश की रैंकिंग 37वें स्थान से बढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। इसके पीछे रेरा (आरईआरए) का परिपक्व होना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में उदारीकरण और भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण प्रमुख कारक रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2029 तक 1.6 गीगावाट से बढ़कर 6 गीगावाट होने का अनुमान है। इसके लिए करीब 110 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। वैश्विक हाइपरस्केलर कंपनियां एआई-तैयार डेटा सेंटर सुविधाओं के लिए 50 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीएसई रियल्टी इंडेक्स और इंडिया आरईआईटी इंडेक्स निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण बेंचमार्क बन चुके हैं। वहीं, आरईआईटी और सूचीबद्ध फ्लेक्सिबल स्पेस ऑपरेटरों में तिमाही वित्तीय रिपोर्टिंग और वार्षिक खुलासा मानकों के मजबूत होने से पूरे क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ी है।

लेनदेन प्रक्रिया के मामले में भी भारत ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखी है। इस पैमाने पर भारत वैश्विक स्तर पर 10वें और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वाणिज्यिक रियल एस्टेट वित्तपोषण से जुड़े आंकड़ों की उपलब्धता और विश्वसनीयता में सुधार हुआ है। संस्थागत निवेश में बढ़ोतरी, आरईआईटी बाजार के विस्तार और सख्त नियामकीय ढांचे ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

टाटा संस आईपीओ को एसपी ग्रुप के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने बताया 'सामाजिक और नैतिक जरूरत'

विश्व केसरी■

मुंबई। टाटा संस की लिस्टिंग पर टाटा ट्रस्ट्स के विरोध के बाद एसपी ग्रुप के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने शुक्रवार को टाटा समूह की फ्लेगशिप कंपनी की लिस्टिंग को 'सामाजिक और नैतिक जरूरत' बताया।

मिस्त्री ने टाटा संस पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पूर्ण स्पष्टता आ चुकी है और लिस्टिंग से पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत होगी। उनके यह टिप्पणी टाटा ट्रस्ट्स के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें ट्रस्ट्स ने कहा था कि वे टाटा संस को पब्लिक करने के लिए सहमत नहीं हैं और सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए, 'सिर्फ लिस्टिंग पर ही नहीं'। मिस्त्री ने कहा कि उनका ग्रुप टाटा संस के साथ सकारात्मक बातचीत करने के लिए तैयार है। फिलहाल टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स और कंपनी के बोर्ड के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। एक तरफ टाटा ट्रस्ट्स, जिसकी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लिस्टिंग के पक्ष में नहीं है। वहीं, गुरुवार की बोर्ड बैठक में टाटा संस के बोर्ड सदस्यों ने लिस्टिंग को मंजूरी दी थी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस बोर्ड को दिए अपने बयान में ट्रस्ट का रुख फिर से दोहराया और कहा कि बोर्ड लिस्टिंग के मुद्दे पर पहले ही फैसला ले चुका है। नोएल टाटा ने एक बयान में कहा था, 'इस तरह के मामले के लिए कागजात, स्पष्टीकरण, सलाह और समय की जरूरत होती है और मुझे इसमें कोई शक नहीं कि ये सब तैयार किए जा रहे हैं। बोर्ड को पूरी जानकारी दी जाएगी।'



उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई के आदेश में खास तौर पर लिस्टिंग के बारे में नहीं कहा गया है। नोएल टाटा ने कहा, 'आरबीआई के आदेश में 'लिस्टिंग का कोई जिक्र नहीं है',' और आगे कहा कि इसमें 'किसी खास कदम' का जिक्र नहीं है और न ही यह कहा गया है कि टाटा संस ने नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने अभी तक आरबीआई के कम्युनिकेशन के कानूनी असर पर कोई राय नहीं बनाई है, जिसमें यह भी शामिल है कि टाटा संस को क्या करना है और कब तक करना है।

सोने और चांदी में लौटी तेजी, दाम करीब 0.70 प्रतिशत तक बढ़े

विश्व केसरी■

मुंबई। सोने और चांदी में शुक्रवार को तेजी देखी गई और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक बढ़ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,981 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,52,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10:30 बजे यह 217 रुपए या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,198 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,171 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,495 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। यह दिखाता है कि सोने में रुझान तेजी का बना हुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का 5 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,38,205 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,38,478 रुपए प्रति किलो पर खुला।



फिलहाल यह 1,557 रुपए या 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,39,762 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,38,478 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,39,954 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,406 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेड की ओर से 25 आधार अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी उम्मीद के मुताबिक थी, जबकि डॉलर की मजबूती और इक्विटी मार्केट में हालिया गिरावट का असर बुलियन पर पड़ रहा है।

आगे चलकर, फेड के फैसले पर अमेरिकी बाजार की प्रतिक्रिया और बॉन्ड की बढ़ी हुई कीमतें सोने के लिए अहम कारक बनी रहेंगी। भारतीय बाजार में सोने की रेंज 1,49,000 रुपए से 1,53,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकती है।

'कुछ दर्द दिखाई नहीं देते', जानिए मानसिक पीड़ा से जुड़े 5 बड़े मिथक और उनके तथ्य



मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का उतना ही जरूरी हिस्सा है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। फिर भी मानसिक परेशानी को लेकर समाज में आज भी कई तरह के भ्रम और झिझक मौजूद हैं। खासकर आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर खुलकर बात करने के बजाय अक्सर चुप्पी साध ली जाती है। यही चुप्पी कई बार किसी परेशान व्यक्ति को और अकेला महसूस करा सकती है। इसलिए जरूरत है कि हम आत्महत्या से जुड़े मिथकों को समझें, उन्हें तोड़ें और संवेदनशीलता के साथ लोगों का साथ दें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सबसे आम भ्रम है कि जो लोग आत्महत्या की बात करते हैं, वे वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहते। हकीकत यह है कि गहरे मानसिक और भावनात्मक दर्द से गुजर रहे कई लोग सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी परेशानी या आत्महत्या से जुड़े विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे किसी भी संकेत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

दूसरा मिथक है कि किसी व्यक्ति से आत्महत्या के बारे में पूछने से उसके मन में यह विचार आ सकता है। ऐसा नहीं है। संवेदनशीलता और बिना जज किए सीधे बातचीत करना व्यक्ति को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका दे सकता है। कई बार किसी परेशान इंसान को समाधान से पहले सिर्फ एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो उसकी बात ध्यान से सुने।

यह मानना भी सही नहीं है कि आत्महत्या करने वाला व्यक्ति मरने का पूरी तरह दृढ़ निश्चय कर चुका होता है। आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे कई लोग गहरे भावनात्मक दर्द से राहत चाहते हैं और उनके मन में दुविधा भी हो सकती है। ऐसे समय में समय पर सहायता और उचित हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एक और भ्रम है कि आत्महत्या हमेशा बिना किसी चेतावनी के होती है। कई मामलों में व्यक्ति पहले से कुछ संकेत दे सकता है, जैसे लगातार निराश रहना, लोगों से दूरी बनाना, चिड़चिड़ापन, व्यवहार में अचानक बदलाव या मृत्यु के बारे में बात करना। इन संकेतों को गंभीरता से लेना जरूरी है।

यह भी जरूरी नहीं कि केवल मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोग ही आत्महत्या करते हैं। मानसिक विकार एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकते हैं, लेकिन आत्महत्या के पीछे मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कई कारणों का जटिल मेल हो सकता है। इसलिए किसी की परेशानी को छोटा न समझें। उसे सुनें, समझें और बिना किसी निर्णय के उसके साथ खड़े रहें। जरूरत महसूस होने पर विशेषज्ञ सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 14416 पर संपर्क किया जा सकता है।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय



हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं, किसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं हैं।

नाक बंद होने या गले में खराश जैसी परेशानी में भाप लेना कुछ लोगों को आराम दे सकता है। इसी तरह गुनगुने नमक या हल्दी वाले पानी से गरारे करने से गले की परेशानी में राहत मिल सकती है। भाप लेते समय बहुत गर्म पानी से जलने से बचें, खासकर बच्चों के मामले में।

सांस और शरीर को सक्रिय रखने के लिए योग भी मददगार हो सकता है। भुजंगासन और गोमुखासन जैसे आसनों को अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। इनके साथ नाड़ी शोधन और भ्रामरी प्राणायाम भी किए जा सकते हैं।

लेकिन अगर सांस लेने में ज्यादा परेशानी, लगातार खांसी, सीने में दर्द, तेज घरघराहट या सांस फूलने जैसी समस्या हो, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर न रहें और डॉक्टर से सलाह लें।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान



बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है।

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व



नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है।

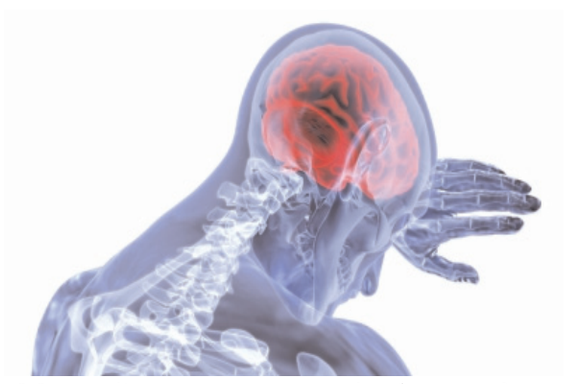
आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है। आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक।

पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं। यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है। तीसरा है मानक। किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

मिडिल एज में तीन चीजों पर नियंत्रण से 13 साल तक टल सकता है डिमेंशिया : अध्ययन



मिडिल एज में उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान को अगर नियंत्रित रखा तो तय है कि डिमेंशिया की शुरुआत को औसतन 13 वर्ष तक टाला जा सकता है। यह दावा एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में किया गया है।

अमेरिकी मेडिकल जर्नल 'न्यूरोलॉजी' में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 12,400 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का लगभग 26 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों की औसत आयु 56 वर्ष थी। फॉलो अप पीरियड के दौरान 3,000 से अधिक प्रतिभागियों में डिमेंशिया बढ़ा।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मिडिल एज के दौरान उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान जैसे तीनों जोखिम कारक मौजूद नहीं थे, वे औसतन 30.1 वर्ष तक डिमेंशिया से मुक्त रहे। वहीं, जो इन्हें नियंत्रित नहीं कर पाए, उनमें डिमेंशिया-मुक्त अवधि केवल लगभग 17 वर्ष रही। इस प्रकार दोनों समूहों के बीच करीब 13 वर्षों का अंतर दर्ज किया गया।

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और अमेरिका के एनवाईयू लैंगोन हेल्थ से जुड़े डॉ. जोसेफ कोरेश ने कहा कि डिमेंशिया की प्रक्रिया लक्षण सामने आने से कई वर्ष पहले ही शुरू हो जाती है। ऐसे में मिडिल एज में हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करना मस्तिष्क के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि धूम्रपान ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को बढ़ाकर मस्तिष्क कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

क्या आपकी डाइट में पर्याप्त कैल्शियम है? जानिए स्रोत, फायदे और रोजाना कितनी जरूरत



हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है।

कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है।

कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है।

सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन-डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन-डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए।

आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है। हालांकि वास्तविक जरूरत उम्र, लिंग और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। इसलिए अपनी व्यक्तिगत जरूरत के लिए डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह लेना बेहतर है।



गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की फिल्म 'तुम मेरे हो' का फर्स्ट पोस्टर रिलीज, इस दिन फिल्म होगी रिलीज

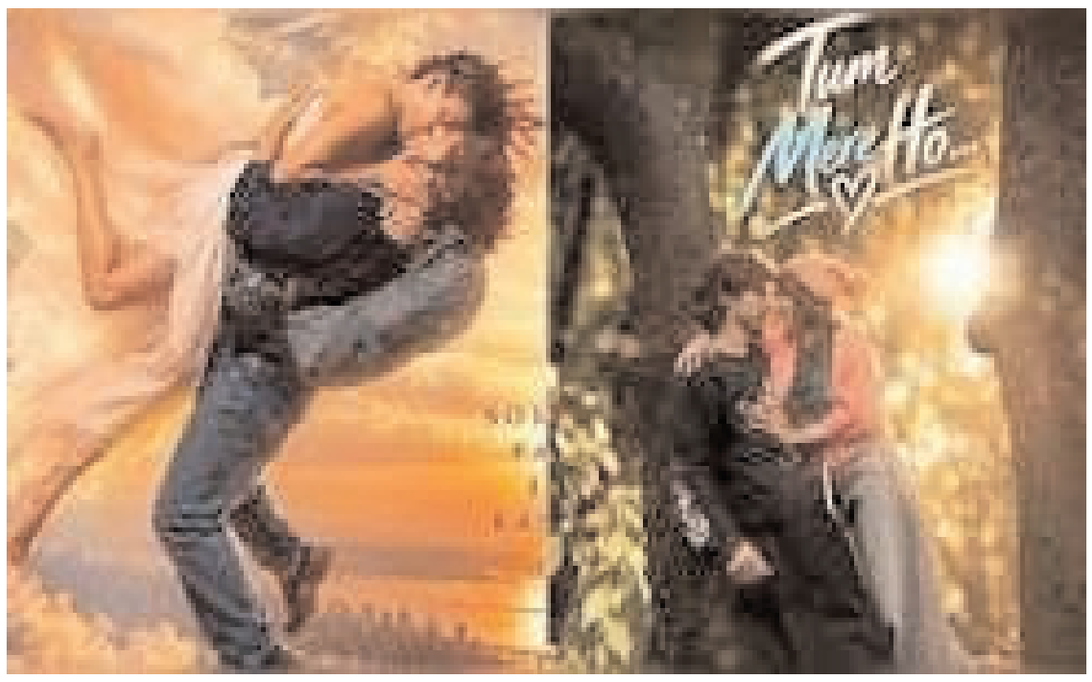


मुंबई। अभिनेता गुरमीत चौधी और ईशा मालवीय आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स ने पहला पोस्टर रिलीज किया है, जिसमें एक इंटेंस लव स्टोरी की झलक देखने को मिल रही है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसमें गुरमीत और ईशा बादलों के बीच से गिरते हुए नजर आ रहे हैं, पीछे शहर और ढलते हुए सूरज का नजारा है और दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। पोस्टर पर फिल्म का नाम लिखा है, 'तुम मेरे हो'। पोस्टर शेयर कर मेकर्स ने लिखा, ''तुम मेरे हो' की दुनिया में खो जाइए। यह फिल्म 23 अक्टूबर को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी, क्योंकि कभी-कभी प्यार में पड़ना सबसे आसान होता है। असली कहानी तो उसके बाद शुरू होती है।'

यह एक्शन और एडवेंचर से भरपूर एक इंटेन्स लव स्टोरी होगी, जिसके जरिए अभिनेत्री ईशा मालवीय बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

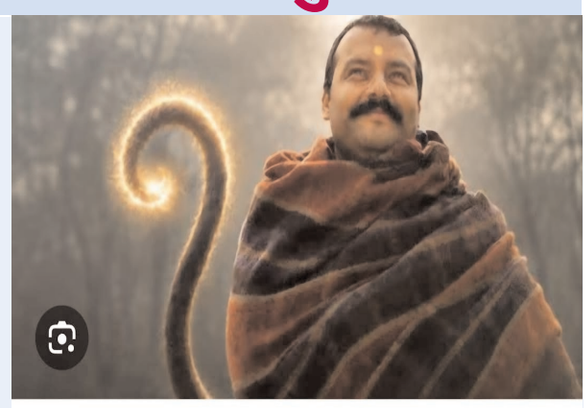
प्रोड्यूसर और गुरमीत चौधरी की पत्नी देबीना बनर्जी ने भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर कर पति गुरमीत के साथ अपने बैनर देबगुरु फिल्म्स के तहत बनी पहली फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। फर्स्ट लुक शेयर करते हुए देबिना ने लिखा, 'बहुत-बहुत स्पेशल दिन है। 'तुम मेरे हो' 23 अक्टूबर को नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नई शुरुआत, नए सपनों और दिल के बेहद करीब एक कहानी के नाम। मैं और गुरु अपनी पहली प्रोड्यूस की हुई फिल्म देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले पेश कर रहे हैं, मेरा दिल गर्व और खुशी से भरा हुआ है। उन्होंने लिखा, 'इस सपने को साथ बुनने से लेकर इसे बड़े पर्दे पर जिंदा होते देखने तक यह सफर सच में बहुत खास रहा है और गुरमीत चौधरी तुम्हें एक एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर इस खूबसूरत कहानी को निभाते हुए देखकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। तुमने इस फिल्म में कितना पैशन, मेहनत और दिल लगाया है। अब मैं इंतजार नहीं कर सकती कि सभी लोग इसे देखें।

देबीना बनर्जी ने अभिनेत्री ईशा मालवीय के लिए लिखा, 'ईशा मालवीय तुम्हें बॉलीवुड डेब्यू के लिए ढेर सारी बधाई। यह एक बहुत ही खूबसूरत शुरुआत है और मुझे बहुत खुशी है कि 'तुम मेरे हो' तुम्हारी बॉलीवुड जर्नी की शुरुआत बन रही है।' इस फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। इसे 'रेवा क्रिएटिव हाउस' और 'देबगुरु फिल्म्स' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जिसकी निर्माता गुरमीत की पत्नी देबीना बनर्जी और आरती एस. हैं।



एक चमत्कार ही है 'हनुमान अंश

विश्व केसरी■



'हनुमान अंश' फिल्म देखने के बाद जो मेरे मुख से पहली प्रतिक्रिया निकली वह थी! ' यह नीम करौली बाबा का चमत्कार ही है जो फिल्म पूरे भारत में रिकॉर्ड कलेक्शन के साथ चल गई '। भारतीय सिनेमा में संतों और आध्यात्मिक व्यक्तित्वों,देवी देवताओं पर फिल्म बनाना आसान काम नहीं है। आज से कई साल पहले 'संतोषी मां' पर फिल्म बनी थी उसने भी उस समय रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी, लोगो में आस्था इतनी थी कि लोग सिनेमा हाल में श्रद्धा पूर्वक पैसे फेंका करते थे। ऐसा इसीलिए होता है कि इन चरित्रों के साथ करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी होती है और दर्शक उन्हें केवल एक फिल्मी पात्र के रूप में नहीं देखते बल्कि अपनी आस्था श्रद्धा के अनुकूल देखते है तथा उसमें भक्ति स्वरूप डूब जाते है। ऐसे में किसी संत के जीवन को पर्दे पर उतारना उनकी श्रद्धा, संवेदनशीलता और सिनेमाई दृष्टिकोण से बहुत कठिन और महत्वपूर्ण चुनौती स्वरूप हो जाता है। 'हनुमान अंश' इसी चुनौती को स्वीकार करती फिल्म है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इस फिल्म के माध्यम से प्रसिद्ध संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। फिल्म में शोबिनव सत्य ने नीम करौली बाबा की केंद्रीय भूमिका निभाई है। उनके साथ विहान शेडगे, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी,अनिल रस्तोगी और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म के भजन प्रभावशाली अर्थपूर्ण है।

'हनुमान अंश' का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि फिल्म नीम करौली बाबा को केवल चमत्कारों के माध्यम से प्रस्तुत करने की कोशिश नहीं करती, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा और मानवीय पक्ष को भी सामने लाती है।कहानी का केंद्र एक ऐसे व्यक्ति की यात्रा है, जिसके जीवन में सांसारिक मोह, पारिवारिक संबंध, पीड़ा, तलाश और अंतत: अध्यात्म का प्रवेश होता है। यही यात्रा आगे चलकर उन्हें उस मुकाम तक ले जाती है, जहां वे अपने अनुयायियों के लिए 'महाराज जी' बन जाते हैं।फिल्म यह प्रश्न भी उठाती है कि आखिर कोई साधारण मनुष्य असाधारण आध्यात्मिक व्यक्तित्व कैसे बनता है? क्या संतत्व केवल चमत्कारों से प्राप्त होता है या उसके पीछे त्याग, साधना, करुणा और मानव सेवा की लंबी प्रक्रिया होती है?यहीं फिल्म अपने विषय को केवल धार्मिक कथा न रखकर मानवीय कथा में बदल देती है। फिल्म में नीम करौली बाबा की हनुमान भक्ति को कथा के केंद्र में रखा गया है। फिल्म का संदेश केवल यह नहीं है कि चमत्कार होते हैं। इसके पीछे प्रेम, सेवा, करुणा और दूसरे के दुख को समझने की भावना को महत्वपूर्ण बनाया गया है।फिल्म यह भी बताती है कि भक्ति का वास्तविक अर्थ केवल पूजा नहीं बल्कि मानवता की सेवा भी है। नीम करौली बाबा के बारे में पहले से जानकारी रखने वाले दर्शक उनकी जीवन-यात्रा को एक मानवीय कहानी के रूप में देख सकते है। उनके भक्त केवल देश में ही नहीं पूरे विश्व में फैले हुए है उनमे कई प्रसिद्ध एवं बड़े लोगों के नाम शामिल है। जो लोग नीम करौली बाबा को नहीं जानते वे भी इस फिल्म को देखने के बाद इतिहास के पन्नो में उन्हें ढूंढेंगे जरूर। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपनी अपनी भूमिका को प्रभावशाली ढंग से निभाने की पुरजोर कोशिश की है, फिल्म के केंद्र बिंदु नीम करौली बाबा की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्य के बारे में दर्शकों के अलग अलग विचार हो सकते है।

आईफा अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे करण जौहर-वरुण धवन, डिजिटल अवॉर्ड्स में पंकज त्रिपाठी-अली फजल संभालेंगे मंच

विश्व केसरी■



मुंबई। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा अवॉर्ड्स 2027) को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की कमान अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अली फजल संभालेंगे जबकि मुख्य आईफा अवॉर्ड्स 2027 को करण जौहर और वरुण धवन होस्ट करते नजर आएंगे। इसके अलावा सलमान खान, शाहिद कपूर, करीना कपूर खान और जान्हवी कपूर अपनी शानदार परफॉर्मेंस से अवॉर्ड नाइट में चार चांद लगाएंगे।

आईफा अवॉर्ड्स 2027 का आयोजन 22 और 23 जनवरी को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस समारोह में इंडियन सिनेमा के कई बड़े सितारे एक ही मंच पर नजर आएंगे। दुनियाभर से इंडियन फिल्मों को पसंद करने वाले दर्शक भी इस सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगे। अवॉर्ड्स के साथ म्यूजिक, डांस और स्टार्स की परफॉर्मेंस समारोह को खास बनाने वाली है।

इस बार बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की परफॉर्मेंस भी आईफा 2027 का बड़ा आकर्षण होगी। इस पर सलमान ने कहा, ''आईफा और मेरा रिश्ता बहुत पुराना है और जब भी आईफा मुझे बुलाता है, तो मेरे के लिए यह एक खास एहसास होता है। यह मेरे लिए सिर्फ एक अवॉर्ड शो नहीं है बल्कि यह फिल्मों और उन दर्शकों का सेलिब्रेशन है, जिन्होंने कलाकारों को इतना प्यार दिया है। मैं पिछले कई सालों से आईफा का हिस्सा रहा हूं और यहां परफॉर्म भी कर चुका हूं। हालांकि अबू धाबी लौटना मेरे लिए हमेशा कुछ अलग महसूस होता है क्योंकि इस शहर से मेरी कई खास यादें जुड़ी हुई हैं।''

दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं रणवीर-दीपिका, सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर लिया बप्पा का आशीर्वाद



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड के पॉपुलर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। गणेशोत्सव पर शुक्रवार को दोनों मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणपति का आशीर्वाद लिया।

इस दौरान दोनों ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आए। दीपिका बेबी बंप के साथ काफी सावधानी से चलती दिखीं, जबकि रणवीर भीड़ के बीच से तेजी से आगे बढ़ते हुए उनके पास पहुंचे।

मंदिर के लिए दीपिका ने हॉट ऑरेंज, जंगल ग्रीन और पर्पल शेड्स के कॉम्बिनेशन वाला मैटरनिटी एथनिक आउटफिट चुना। वहीं, रणवीर पर्पल कलर के कुर्ते और वाइट पायजामे में नजर आए। दोनों का लुक सिंपल था, लेकिन फेस्टिवल के लिए बिल्कुल परफेक्ट था।

मंदिर के बाहर रणवीर और दीपिका को देखने के लिए काफी लोग मौजूद थे। दीपिका बेबी बंप के साथ सावधानी से आगे बढ़ती हुई दिखीं। इसी दौरान रणवीर भीड़ को पार करते हुए तेजी से आगे बढ़े और दीपिका के साथ आकर चलने लगे। दोनों ने मंदिर में भगवान गणपति के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया।

सिद्धिविनायक मंदिर जाने से एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने भी पहुंचे थे। गुरुवार रात वह करी रोड इलाके में स्थित नवसाचा गणपति के दर्शन करने गए। इस दौरान रणवीर क्रीम कलर के कुर्ते में नजर आए थे और उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया।

रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले सितंबर 2024 में दोनों एक बेटी के माता-पिता बने थे। उन्होंने बेटी का नाम दुआ रखा। कपल ने दुआ को अब तक ज्यादातर मीडिया और पब्लिक की नजरों से दूर रखा है और सोशल मीडिया पर भी उसकी कुछ ही झलकियां शेयर की हैं।

सितंबर 2026 में दुआ के दूसरे जन्मदिन के मौके पर रणवीर और दीपिका ने बेटी की शुरुआती दिनों की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में दीपिका की मैटरनिटी शूट की झलक देखने को मिली थी। इससे पहले अप्रैल 2026 में कपल ने अपने दूसरे बच्चे के आने की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी।

शबाना आजमी के बर्थडे पर दिव्या दत्ता ने लुटाया प्यार, बोलीं- 'जिंदगी का सबसे ब्राइट रंग हो आप'

विश्व केसरी■



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता और जानी-मानी अभिनेत्री शबाना आजमी की दोस्ती काफी पुरानी है। शबाना आजमी के 75वें जन्मदिन पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। इस वीडियो के साथ दिव्या ने एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने शबाना आजमी की जिंदगी को लेकर उनके उत्साह, अभिनय के प्रति जुनून और हर पल को खुलकर जीने की उनकी आदत की जमकर तारीफ की।

दिव्या दत्ता ने वीडियो शेयर करते हुए शबाना आजमी के लिए बेहद प्यार भरा नोट लिखा। उन्होंने कहा, ''जिंदगी का सबसे ब्राइट रंग हो आप... जिंदगी जीने का आपका जोश, एक कलाकार के तौर पर आपकी उत्सुकता और हर पल को हंसी के साथ सेलिब्रेट करने का आपका अंदाज काफी अलग है। आप एक अलग ही क्लास की अभिनेत्री हो। आप लेजेंड हो। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे आपको जानने, आपसे प्यार करने और आपके खास पलों को सेलिब्रेट करने का मौका मिला।''

दिव्या ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, ''हैप्पी बर्थडे शबाना दी। आपसे बहुत प्यार करती हूं। आपका वो हाथ जो मेरे ऊपर रहता है, मेरे लिए सबसे कीमती है।''

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दोनों अभिनेत्रियां साथ में कैमरे के लिए पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं।

दिव्या दत्ता और शबाना आजमी ने साथ में कई प्रोजेक्ट्स में काम किया है। दोनों 2016 में आई फिल्म 'चॉक एंड डस्टर' में नजर आई थीं। इस फिल्म में शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की जिंदगी से जुड़ी कहानी दिखाई गई थी। इसके अलावा, दोनों चर्चित शॉर्ट फिल्म 'शीर कोरमा' का भी हिस्सा रही हैं। इस प्रोजेक्ट में दोनों के काम को काफी पसंद किया गया था। साथ काम करते हुए दोनों के बीच जो रिश्ता बना, वह आगे चलकर दोस्ती में बदलता गया।

शबाना आजमी 18 सितंबर को अपना 7*ं* जन्मदिन मना रही है। इस खास मौके कोउन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अपने करीबी दोस्तों और सहयोगियों के साथ सेलिब्रेट किया। जन्मदिन से पहले ही उनके लिए खास जश्न का आयोजन किया गया था। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ नजर आए और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

शबाना के जन्मदिन से पहले अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति, निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने भी उन्हें एक खास सरप्राइज दिया। दोनों की ओर से शबाना के लिए एक अनोखा केक तैयार करवाया गया था।

स्वरा भास्कर से लेकर रिया अहीर तक, 'राइज एंड फॉल' में जाने से पहले शहजाद पूनावाला ने कई मुद्दों पर दी राय

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला इन दिनों एक नए रियलिटी शो को लेकर चर्चा में हैं। अगस्त 2026 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद अब वह प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इसी बीच शहजाद ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कई चर्चित मुद्दों और लोगों को लेकर अपनी राय रखी।

उन्होंने अभिनेत्री स्वरा भास्कर के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया दी और अयोध्या राम जन्मभूमि मामले पर उनके रुख को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मॉडल रिया अहीर के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस और दिशा सालियान मामले में चल रही जांच को लेकर भी बात की।

शहजाद ने कहा, ''मैं स्वरा भास्कर से इतना ही कहना चाहूंगा कि स्वरा बस कर। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हिंदू विरोध और देश विरोध से जुड़ी बातें बंद करें। राम मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फैसले सुनाया था, क्या स्वरा और राहुल गांधी को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था? लंबे समय तक चले राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद अदालत के फैसले को लेकर इस तरह की प्रतिक्रिया देना हिंदू समाज के धैर्य को नजरअंदाज करना है।''

शहजाद का बयान स्वरा भास्कर के उस हालिया इंटरव्यू के बाद आया है, जिसमें उन्होंने 2019 के अयोध्या फैसले को याद करते हुए कहा था कि वह उस समय काफी दुखी और परेशान थीं। स्वरा ने एक पॉडकास्ट में बताया था कि फैसले के बाद उन्होंने अपने फोन में मौजूद कई मुस्लिम दोस्तों और परिचितों को मैसेज किया था।

अमेरिका के नए टैरिफ कानून का चीन ने किया विरोध

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' को लेकर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की।

चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कांग्रेस के इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे कानूनों का अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है। चीन ऐसे कानूनों का विरोध करता है।

चीन विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'चीन दूसरे देशों के साथ बराबरी और आपसी फायदे के आधार पर सामान्य आर्थिक और व्यापारिक सहयोग करता है। यह सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है और इसमें किसी तरह की रुकावट या दबाव नहीं होना चाहिए।



चीन ऐसे कानूनों के जरिए दूसरे देशों पर अधिकार जताने और एकतरफा पाबंदियां लगाने का कड़ा विरोध करता है, जिनका अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है और जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी भी नहीं मिली है।'

इस विधेयक में रूसी उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। साथ ही, रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। सीनेटर केटी ब्रिट के कार्यालय के अनुसार, जिन देशों की ओर से रूस से आयात की जाने वाली प्राकृतिक गैस रूस के कुल गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम है और जो अपनी खरीद कम करने के लिए गंभीर कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट दी जा सकती है।

इस कानून का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को जारी रखने के लिए मिलने वाले आर्थिक संसाधनों को कम करना है। इसके तहत रूसी अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और रूस के सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी संस्थाओं को निशाना बनाया गया है। ये प्रावधान उन बड़े देशों पर लागू होंगे जो रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा आयात करते हैं या रूस पर लगे तेल प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद करते हैं।

चीन-ईरान के बीच ब्रिक्स समिट में नहीं दिखी नजदीकी: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। चीन भले ही ईरान का सबसे अहम आर्थिक साझेदार है, लेकिन बीजिंग ने अपनी व्यापक मध्य पूर्व रणनीति को तेहरान के साथ जोड़ने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

एमबीएन न्यूज वेबसाइट पर छपे एक लेख के मुताबिक, पिछले हफ्ते दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से दूरी बनाए रखी। इस मौके पर दोनों नेताओं के बीच सार्वजनिक तौर पर कोई बातचीत नहीं हुई।

जिम स्नाइडर ने अपने लेख में लिखा, 'शी जिनपिंग भारत में एक दिन से भी कम समय तक रहे। उन्होंने मेजबान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अपनी सुरक्षा और शासन से जुड़ी पहल के लिए ग्लोबल साउथ के देशों का समर्थन पाने की भी संक्षिप्त कोशिश की। ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि



उन्होंने पेजेशकियन से बात की हो। यह उन दो देशों के बीच एक साफ दूरी दिखाता है, जिन्हें अक्सर रणनीतिक साझेदार के तौर पर पेश किया जाता है।'

एमबीएन के पहले 'ग्रेट पावर्स इंडेक्स' में मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका यानी एमईएनए क्षेत्र के किसी भी दूसरे देश के मुकाबले ईरान को चीन के ज्यादा करीब बताया गया है। हालांकि, लेख के मुताबिक दोनों देशों के रिश्ते आंकड़ों में जितने सीधे दिखते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा जटिल हैं। लेख में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि चीन इस समय यह दिखाना नहीं चाहता कि वह ईरान के बहुत ज्यादा करीब है। इसके उलट, शी जिनपिंग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति अपना समर्थन कहीं ज्यादा खुलकर दिखाया है।

चीनी राष्ट्रपति की यह दूरी पिछले महीने किर्गिस्तान के बिश्केक में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भी दिखाई दी थी। लेख में कहा गया, 'शी जिनपिंग ने पुतिन, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव और किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर जापारोव के साथ औपचारिक बैठकें कीं, जिनकी तस्वीरें भी सामने आईं। वहीं पेजेश्कियन के साथ उनकी सिर्फ एक छोटी सी मुलाकात हुई और उन्हें काफी कम तवज्जो मिली।'

लेख में कहा गया है कि चीन और ईरान के रिश्तों की सबसे बड़ी वजह हमेशा आर्थिक हित रहे हैं।

उम्मीद भरे रिश्तों में से एक है भारत-दक्षिण कोरिया संबंध: कोरियाई राजदूत

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में दक्षिण कोरिया के राजदूत ली सियोंग-हो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के जन-सेवा के सफर की सराहना करते हुए कहा कि पूरी दुनिया उनका सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत-दक्षिण कोरिया के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं।



छात्र कार्यक्रम पर आईएएनएस से बात करते हुए राजदूत ली सियोंग-हो ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से यह एक बहुत ही ऐतिहासिक पड़ाव है। यह एक मील का पत्थर है। हम वास्तव में कोरिया और भारत को जोड़ने वाले मजबूत पुल बना रहे हैं। छात्र ही वे लोग हैं, जो आगे चलकर हमारी साझेदारी और दोस्ती को और मजबूत करेंगे। भारत में 'कोरियन एजुकेशन फेयर' की यह शुरुआत है। मेरा मानना है कि यह पहला एजुकेशन फेयर है, लेकिन निश्चित रूप से आखिरी नहीं है। हम कोरिया और भारत के बीच शिक्षा के क्षेत्र में इस जुड़ाव को लगातार मजबूत और बड़ा करते रहेंगे। दोनों देशों के मजबूत रिश्तों पर बात करते हुए राजदूत ली सियोंग ने प्रधानमंत्री की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी एक महान नेता हैं और मेरा मानना है कि पूरी दुनिया उनका सम्मान करती है।

चीन और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने की फोन वार्ता

विश्व केसरी■

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 17 सितंबर को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर वार्ता की। दोनों पक्षों ने मुख्य तौर पर चीन और अमेरिका के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान पर गहन रूप से विचार-विमर्श किया।

इस मौके पर वांग यी ने कहा कि कुछ अरसे से चीन-अमेरिका संबंध कुल मिलाकर दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा निश्चित रचनात्मक, रणनीतिक और स्थिर राह पर आगे बढ़ रहे हैं। यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अनुरूप है।

वांग यी ने जोर दिया कि सर्वोच्च नेताओं की कूटनीति चीन-अमेरिका संबंधों के लिए स्थिरता लाने का काम करती है। दोनों पक्षों को समानता, सम्मान और आपसी लाभ की भावना के आधार पर



अगले चरण में उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की अच्छी तैयारी करनी होगी। इसके साथ दोनों पक्षों को संपर्क मजबूत करना चाहिए, सहयोग बढ़ाना चाहिए, मतभेदों को संभालना चाहिए और एक-दूसरे के मूल हित का सम्मान करना चाहिए, ताकि एक सकारात्मक संकेत दिया जा सके कि चीन और अमेरिका रचनात्मक, रणनीतिक व स्थिर संबंधों को आगे बढ़ाने और संयुक्त रूप से विश्व शांति व विकास को बढ़ावा देने में जुटे हैं। दोनों पक्षों ने मध्य-पूर्व स्थिति आदि मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

जमानत मिलने के चंद घंटों बाद मानवाधिकार वकीलों को फिर किया गया गिरफ्तार

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। स्थानीय मीडिया की शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद, पाकिस्तानी मानवाधिकार वकील ईमान जैनब मजारी-हजीर और उनके पति हादी अली चट्ठा को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया और इस्लामाबाद की आतंकवाद-रोधी अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने सोशल मीडिया पोस्ट मामले में दोनों वकीलों की सजा पर रोक लगा दी, जिसके बाद उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) के रवैये



पर सवाल उठाए। बेंच ने कहा कि यह अजीब बात है कि आईएचसी ने सुप्रीम कोर्ट के 12 मई के आदेश का जिक्र तो किया, लेकिन उसका पालन नहीं किया। मदारी-हाजिर और चट्ठा को 23 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) ने उन्हें 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया था। 24 जनवरी को, डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े मामले में कई आरोपों के तहत दोनों को 17-17 साल की जेल और 36-36 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया।

राष्ट्रपति ली ने की कोरियाई प्रायद्वीप में शांति की अपील

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने शुक्रवार को एक बार फिर कहा कि वह 1950-53 के कोरियाई युद्ध को रोकने वाले युद्धविराम समझौते की जगह एक स्थायी शांति व्यवस्था बनाना चाहते हैं। यह बात उन?होंने नेशनल असेंबली में आयोजित समारोह में कही।

यह समारोह प्योंगयांग संयुक्त घोषणा की याद में आयोजित किया गया था। इस घोषणा पर 19 सितंबर 2018 को तत्कालीन दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने प्योंगयांग में अपनी शिखर बैठक के बाद हस्ताक्षर किए थे। राष्ट्रपति ली का भाषण उनकी ओर से राजनीतिक मामलों के विशेष सलाहकार किम क्यूंग-सू ने पढ़ा।

2018 की इस घोषणा में दोनों कोरियाई देशों ने सीमा पर सैन्य तनाव और दुश्मनी खत्म करने के



साथ-साथ आपसी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया था।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ली ने कहा कि इस घोषणा के बावजूद उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच बातचीत और सहयोग रुक गया है, जबकि तनाव बढ़ा है। इसी दौरान उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु हथियार क्षमता भी तेजी से बढ़ाई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अब उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की उम्मीद के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दक्षिण कोरिया इस बातचीत को जल्द शुरू कराने में मदद करेगा और कोशिश करेगा कि यह आगे चलकर कोरियाई प्रायद्वीप में स्थायी शांति व्यवस्था बनाने पर बातचीत का रास्ता खोले। ली का इशारा जाहिर तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर था, जो उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ फिर से कूटनीतिक बातचीत शुरू करने की कई बार कोशिश कर चुके हैं।

राष्ट्रपति ली ने कहा, 'हमारी सरकार पूरी कोशिश करेगी कि यह पहल उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने तक पहुंचे और आगे चलकर कोरियाई प्रायद्वीप में युद्ध खत्म करने तथा शांति व्यवस्था स्थापित करने पर बातचीत में बदले।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 2018 के समझौते को एक अहम पड़ाव और दिशा दिखाने वाले समझौते के रूप में मानती रहेगी और उसी के मुताबिक अपनी कोशिशें आगे बढ़ाएगी।

भारत में एआई का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचना जरूरी: माइक्रोसॉफ्ट सीईओ

विश्व केसरी■

सिएटल। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने तकनीकी क्षेत्र के लीडर्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लाभ भारत के किसानों, कारोबारों और समुदायों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि एआई की क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि कितने व्यापक स्तर पर लोग इसका इस्तेमाल कर सकते हैं और इसके विकास में योगदान दे सकते हैं।

सिएटल में आयोजित आईडियाज4इंडिया फोरम को संबोधित करते हुए नडेला ने कहा कि किसी सामान्य-उद्देश्य वाली तकनीक के लाभ देशों और विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता, ज्ञान पर नियंत्रण और मानव निगरानी पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'यह तभी संभव होगा, जब पूरी दुनिया इस ज्ञान से



लाभ उठा सके और इसमें अपना योगदान भी दे सके।'

भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम का आयोजन किया, जिसमें भारतीय मूल के 40 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) शामिल हुए। इसमें एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। नडेला ने एआई की क्षमता को दिल्ली में देखे गए एक प्रदर्शन के उदाहरण से समझाया।

भीषण युद्ध के बीच ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन का न्यूयॉर्क दौरा, शर्तों के साथ अमेरिका ने दी इजाजत

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी भीषण युद्ध के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उनका प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। इसके लिए अमेरिका की ओर से भी इजाजत दे दी गई है।

दरअसल, न्यूयॉर्क में अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की हाई-लेवल बैठक होनी है। ट्रंप प्रशासन ने ईरान के नेताओं को अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने की इजाजत देने पर सहमति जताई है।

द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, 'मेजबान देश के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों के मुताबिक, ईरानी सरकार के मुख्य प्रतिनिधिमंडल को संयुक्त राष्ट्र महासभा के हाई-लेवल वीक में शामिल होने की



अनुमति दी जाएगी। समाचार एजेंसी 'यूएनबी' ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि ईरानी राष्ट्रपति और प्रतिनिधिमंडल की इस न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान उन पर यात्रा संबंधी पाबंदियां रहेंगी। अमेरिकी विदेश विभाग की नीति के अनुसार उन पर लग्जरी और अन्य सामान खरीदने पर रोक होगी।

द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल को यात्रा से जुड़े जरूरी दस्तावेज दिए जाने का मतलब है कि उसके सदस्य संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में हिस्सा ले सकेंगे, जो मंगलवार से शुरू हो रही है। यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च-स्तरीय सप्ताह का 81वां सत्र होने वाला है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले की अमेरिकी सरकारें आम तौर पर दुनिया के नेताओं को इन उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने के लिए वीजा देती रही हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल घोषणा की थी कि वह फिलिस्तीनी प्राधिकरण और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के सदस्यों के वीजा या तो रद्द कर रहा है या उन्हें वीजा देने से इनकार कर रहा है।

जिनेवा में उठा बलूचिस्तान का मुद्दा

विश्व केसरी■

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने बलूचिस्तान में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों का मुद्दा दुनिया के सामने रखा। संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे कार्यकर्ताओं, छात्रों और लापता लोगों के परिवारों को मनमाने ढंग से हिरासत में ले रहे हैं, उन्हें जबरन गायब कर रहे हैं और उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रहे हैं।

जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सत्र को संबोधित करते हुए हेग स्थित 'ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस' (जीएचआरडी) ने कहा, 'हम परिषद का ध्यान कब्जे वाले बलूचिस्तान में मानवाधिकार संकट की ओर तुरंत दिलाना चाहते हैं, जहां बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, छात्रों और लापता लोगों के परिवारों



को पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से जबरन गायब किए जाने, मनमानी हिरासत और बदले की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।' संगठन ने बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के नेताओं की लगातार हिरासत का मुद्दा भी उठाया। उसने महरंग बलूच, बीबो बलूच, गुलजादी बलूच और अन्य लोगों की हिरासत को लेकर संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रक्रियाओं की ओर से जताई गई चिंताओं का जिक्र किया। साथ ही इनके परिवारों के खिलाफ कथित बदले की कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। संगठन ने कहा कि 22 जून 2026 को पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने बीवाईसी नेताओं महरंग बलूच और सिबगतुल्लाह शाहजी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

अब नेपाल में बिना पासपोर्ट लिए घूम सकेंगे विदेशी पर्यटक, इमिग्रेशन विभाग ला रहा नया सिस्टम

विश्व केसरी■

काठमांडू। नेपाल का इमिग्रेशन विभाग एक ऐसी व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिससे विदेशी नागरिकों को पूरे हिमालयी देश में घूमने के लिए अपना फिजिकल पासपोर्ट साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं होगी।

विभाग ने इस सिस्टम को 'पासपोर्ट-फ्री ट्रैवल' नाम दिया है। विभाग का कहना है कि इसका मकसद नेपाल में विदेशी नागरिकों के ठहरने को और अधिक सुविधाजनक बनाना है। इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए विदेशी नागरिकों को नेपाल पहुंचने के बाद अपने मोबाइल में इमिग्रेशन विभाग की आधिकारिक ऐप इंस्टॉल करनी होगी और उसमें जरूरी जानकारी भरनी होगी, जिसमें पासपोर्ट की स्कैन कॉपी और वीजा की डिटेल भी शामिल है।



विभाग के डायरेक्टर जनरल राम चंद्र तिवारी ने कहा, 'फिर वे बिना फिजिकल पासपोर्ट लिए पूरे देश में आजादी से घूम सकते हैं।'

विभाग ने बताया कि यह ऐप एंड्रॉयड और एप्पल आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एक बार ऐप पर अपनी डिटेल रजिस्टर करने के बाद विदेशी नागरिकों को घरेलू उड़ानों में सवार होते समय, मनी एक्सचेंज काउंटर पर करेंसी बदलते समय, होटल में चेक-इन करते समय या ट्रेकिंग एजेंसियों के जरिए यात्रा की व्यवस्था करते समय अपना फिजिकल पासपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं होगी। राम चंद्र तिवारी ने कहा, 'उदाहरण के लिए, यात्रा के दौरान जो लोग अपना पासपोर्ट होटल में भूल जाते हैं और जरूरत पड़ने पर उसे नहीं दिखा पाते, तो ऐप पर अपनी जानकारी अपडेट करके नेपाल के अंदर रहते हुए पासपोर्ट होटल या कहीं और भूलने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।'

उन्होंने कहा कि असली विदेशी नागरिकों को भी कभी-कभी पासपोर्ट न होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा है और 'पासपोर्ट-फ्री ट्रैवल' व्यवस्था ऐसी परेशानियों को खत्म करने में मदद करेगी।

एशियन गेम्सः भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा, सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला



विश्व केसरी ■

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं। उनके साथ ऋचा घोष 6 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। जी कामालिनी शून्य और भारती फूलमाली 6 रन बनाकर आउट हुईं।

भारत ने 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का मुकाबला बांग्लादेश को होगा। बांग्लादेश ने चीन के खिलाफ बारिश की वजह से मैच रद्द होने और आईसीसी में चीन से बेहतर रैंक होने के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

भारत और बांग्लादेश की टीम हाल ही में एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में दुबई में आमने-सामने थीं। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी और फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

एशियन गेम्स 2026: ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलेगी क्विंसी और इमरान बेग की जोड़ी, रेपचेज मैच में दर्ज की जीत



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के क्विंसी जोआकिम डिसूजा और मोहम्मद अनस इमरान बेग ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स रेपचेज मैच जीतकर एशियन गेम्स 2026 में टेकबॉल के ब्रॉन्ज मेडल मैच में जगह बना ली है।

भारतीय जोड़ी ने रेपचेज मैच में फिलीपींस की जोड़ी जोआना अबुलेंसिया और प्रिंस ऑगस्टिन को 2-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच में प्रवेश किया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 12-3 और दूसरा सेट 12-6 से जीता। भारतीय जोड़ी रविवार को अपना ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेगी और अपने प्रतिद्वंद्वी का इंतजार करेगी। इससे पहले, वे वियतनाम की जोड़ी जिया न्ची ट्रिन्ह और होआंग मिन्ह टैन गुयेन से क्वार्टर फाइनल हार गए थे।

दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया है और ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में जगह बनाई।

क्विंसी के लिए यह मेडल जीतने का एक और मौका होगा, क्योंकि इस डेब्यू करने वाली खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला सिंगल्स इवेंट के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई है। क्विंसी ने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में जापान की युइना सकामोटो को 10-11, 12-11, 13-11 से हराने के बाद कंबोडिया की कोएमयेन डीवाई को 12-9, 12-7 से हराया।

इस जीत के साथ, क्विंसी ने महिला सिंगल्स इवेंट के सेमीफाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है, जो उनके एशियन गेम्स डेब्यू में एक बड़ी उपलब्धि है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इंडोनेशिया की इमा सुमाया से होगा, जहां जीत उनका मेडल पक्का कर देगी।इससे पहले, डेक्लान मार्शल गोंसाल्वेस और मोहम्मद अनस इमरान बेग की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले देश के पहले एथलीट बने।

गोंसाल्वेस और बेग पहले ही वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने वियतनाम में 2024 संस्करण में पुरुष डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इस खेल में भारत का पहला मेडल हासिल किया था। मगर यह जोड़ी अपने दोनों ग्रुप मैच हार गई। पहले वे वियतनाम के ट्रुओंग जियांग बा और एनह खोआ ले से 2-0 से हारे और फिर रिपब्लिक ऑफ कोरिया के जुनसुक ली और ताएबीन ली के खिलाफ भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका को लगा तगड़ा झटका, ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से लुंगी एनगिडी बाहर, नकोबानी मोकोएना को मौका



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को करार झटका लगा है। इंजरी की वजह से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह नकोबानी मोकोएना को मौका दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि शुक्रवार को की।

एनगिडी को डॉल्फिन्स के खिलाफ टाइटन्स के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान दाहिने पैर में हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। बुधवार को हुए स्कैन से यह पुष्टि हुई कि उन्हें रिहैब के लिए कुछ समय की जरूरत होगी और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वनडे सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज भी खेलेगी। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि एनगिडी टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध हो पाएंगे या नहीं।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'लुंगी एनगिडी दाहिने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। आगे की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता का अंदाजा सीरीज शुरू होने के समय लगेगा।

एनगिडी की जगह 20 साल के तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान अपना डेब्यू किया था।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

विश्व केसरी ■

कार्डिफ। इंग्लैंड ने श्रीलंका को कार्डिफ में खेले गए दूसरे टी20 मैच में 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 145 रन बनाए थे। पाथुम निसांका और लाहिरू उदारा ने टीम को तेज शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.3 ओवर में 56 रन जोड़े थे, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी एक बार फिर धराशाई हो गई।

निसांका ने 21 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 37 रन, कप्तान चरिथ असालंका ने 31 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 31, वानिंदु हसरंगा ने 22 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से 27 रन और लाहिरू उदारा ने 20 गेंदों पर 21 रन बनाए।

इंग्लैंड के लिए लियाम डॉसन सबसे सफल गेंदबाज रहे। डॉसन ने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवरटन को 2-2, जबकि सोनी बाकेर और आदिल रशीद को 1-1 विकेट मिला।

146 रन का लक्ष्य इंग्लैंड ने 12.1 ओवर में हासिल कर लिया। जोस बटलर और ए डोनाल्ड ने टीम को तेज शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 51 रन जोड़ दिए। डोनाल्ड (13 गेंदों पर 21 रन) और बटलर



(16 गेंदों पर 30 रन) का बैक टू बैक गिरा। पिछले मैच के शतकवीर कप्तान हैरी ब्रूक भी 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 23 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में 79 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद टॉम बैंटन ने 24 गेंदों पर 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेल टीम को जीत दिला दी। बैंटन के साथ विल जैक्स 3 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 12.1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। लियाम डॉसन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 3 टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

बीसीसीआई एजीएमः अरुण धूमल बने रहेंगे आईपीएल के चेयरमैन, अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया।

बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।

एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया और 2026-27 के वार्षिक बजट को मंजूरी दी। इसके अलावा, अगले वित्तीय चक्र के लिए ऑडिटर्स की नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी गई है।

आने वाले वर्षों में कई बड़े पड़ावों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई की आम सभा ने 2027 में आईपीएल के 20वें संस्करण को विशेष और भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया है। इसके लिए बोर्ड पहले से ही तैयारियां शुरू करेगा ताकि टूर्नामेंट के दो दशक पूरे होने का जश्न बड़े स्तर पर मनाया जा सके।

इसके अलावा, बीसीसीआई ने 2028 में अपने 100 साल पूरे होने के अवसर पर होने वाले शताब्दी समारोहों की तैयारी शुरू करने का भी फैसला किया है।

एशियन गेम्सः श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला श्रीलंका और मलेशिया के बीच खेला गया। श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान चमारी अथापट्टू की 37 गेंदों पर 3 छक्कों और 7 चौकों की मदद से खेली गई 63 रनों की पारी के दम पर श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 160 रन बनाए थे। चमारी के अलावा कावीशा दिल्हारी ने 27 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से नाबाद 44, हर्षिता समरविक्रमा ने 18 गेंदों पर 25 और हसिनी परेरा ने 23 रन की पारी खेली।

मलेशिया की तरफ से नूरीन इमानिना ने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए।

161 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी मलेशिया की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 74 रन ही बना सकी और 86



रन से मैच हार गई। मलेशिया के लिए विनीफ्रेड दुरैसिंगम ने 28 और माहिरा इज्जती इस्माइल ने 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकीं।

श्रीलंका के लिए मिथाली अयोध्या, कावीशा दिल्हारी और कप्तान चमारी ने 2-2 विकेट लिए।

इस जीत के साथ श्रीलंका एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

सेमीफाइनल में श्रीलंका का मुकाबला पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के साथ 20 सितंबर को होगा। पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

पाकिस्तान को थाइलैंड पर जीत बहुत मुश्किल से मिली थी। पाकिस्तान ने थाइलैंड के दिए 92 रन के लक्ष्य को हासिल करने में अपने 7 विकेट गंवा दिए थे। निर्धारित 11 ओवर के मैच में पाकिस्तान को 2 गेंद पहले जीत मिली थी।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। हाल ही में महिला एशिया कप 2026 के भी सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दुबई में आमने-सामने थीं। श्रीलंका ने 4 विकेट से मैच जीत फाइनल में जगह बनाई थी।

नीतीश राणा की वजह से मैनचेस्टर यूनाइटेड का फैन हूं, लाइव फुटबॉल मैच देखने का अनुभव शानदार रहा: रिंकू सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने बताया कि वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के बड़े फैन हैं। रिंकू ने बताया कि नीतीश राणा की वजह से उनकी फुटबॉल में रुचि बढ़ी और धीरे-धीरे वह मैनचेस्टर यूनाइटेड को पसंद करने लगे। इसके बाद उन्होंने क्लब के मैच देखना शुरू किया और टीम को नियमित रूप से फॉलो करने लगे।

रिंकू ने हाल ही में ओल्ड ट्रैफर्ड में अपना पहला लाइव फुटबॉल मैच देखा, जिसमें प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मैनचेस्टर डर्बी का मुकाबला हुआ। इस अनुभव ने भारतीय क्रिकेटर को उस मशहूर स्टेडियम के अंदर से इस प्रतिद्वंद्विता को देखने का मौका दिया, जबकि इससे पहले वह सिर्फ टेलीविजन पर ही फुटबॉल देखते थे।

रिंकू ने 'जियोस्टार' को बताया, 'पहले भी मैं मैनचेस्टर यूनाइटेड का फैन था, और नीतीश राणा की वजह से अब भी कुछ हद तक हूं। उन्होंने ही मुझे फुटबॉल से परिचित कराया और खेल देखने का तरीका सिखाया। वहां



से फुटबॉल में मेरी दिलचस्पी थोड़ी बढ़ी। नीतीश राणा मैनचेस्टर यूनाइटेड के फैन हैं, इसलिए मैं उनके साथ समय बिताता था, और उन्हें देखकर मैं भी यूनाइटेड का फैन बन गया।'

हालांकि, डर्बी का नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा रिंकू के पसंदीदा क्लब ने चाहा होगा।

मैनचेस्टर सिटी ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 1-0 से जीत हासिल की, जिसमें अर्लिंग हालैंड ने दूसरे हाफ में निर्णायक गोल किया। यूनाइटेड के समर्थक के तौर पर आने के बावजूद, रिंकू ने माना कि मैच के कुछ पलों में उन्होंने सिटी का समर्थन किया, क्योंकि यूनाइटेड कोई खास प्रभाव नहीं डाल पा रही थी।

उन्होंने कहा, 'हां, जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, मैंने खुद को थोड़ा सिटी का समर्थन करते हुए पाया। यूनाइटेड उतना अच्छा नहीं खेल रही थी, जबकि उस समय सिटी बेहतर खेल रही थी।' हालांकि, रिंकू के लिए नतीजा उस अनुभव से कम महत्वपूर्ण था जो उन्हें पहली बार लाइव फुटबॉल मैच देखने से मिला।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2027 में 7 प्रतिशत तक रहने की उम्मीदः रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत हासिल करने की राह पर है। इस दौरान मजबूत घरेलू मांग, बैंक ऋण में तेजी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। यह जानकारी जेफरीज की ओर से जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

जेफरीज ने अपनी ताजा 'ग्रीड एंड फियर' रिपोर्ट में कहा कि भारत का आर्थिक प्रदर्शन छह महीने पहले की अपेक्षाओं से बेहतर रहा है। इसकी वजह ऋण में व्यापक स्तर पर विस्तार और मांग से जुड़े संकेतकों में सुधार है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जुलाई में बैंक ऋण वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 17.8 प्रतिशत हो गई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण में 24.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उद्योग क्षेत्र को कर्ज 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र को ऋण 22.9 प्रतिशत और कॉरपोरेट ऋण में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट में कहा गया, 'कॉरपोरेट ऋण में तेजी यह भी संकेत देती है कि लंबे समय से प्रतीक्षित निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) चक्र की शुरुआत आखिरकार हो रही है।

जेफरीज में इंडिया रिसर्च के प्रमुख महेश नंदूरकर ने कहा कि आय वृद्धि चालू वित्त वर्ष के 14 प्रतिशत से बढ़कर 1 अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में 17 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

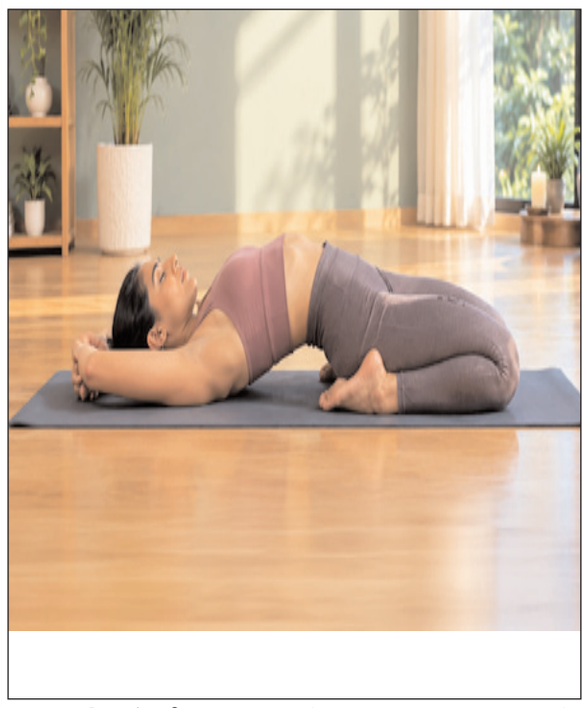
रिपोर्ट में घरेलू मांग में लगातार बनी मजबूती की ओर भी इशारा किया गया है।

इसके अलावा, अगस्त में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि अप्रैल-अगस्त के दौरान बिजली की मांग में वृद्धि बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई। इसकी तुलना में जनवरी-मार्च की अवधि में बिजली मांग में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

वहीं, रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एफसीएनआर (बी) पहल के तहत विदेशी मुद्रा का मजबूत प्रवाह देखने को मिला, जिसके तहत सरकार ने अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से उम्मीद से बेहतर 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा राशि जुटाई।

राजकोषीय मोर्चे पर ब्रोकरेज ने कहा कि सरकार के राजकोषीय समेकन के प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है और आने वाले वर्षों में इसके और कम होने की उम्मीद है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। 'सुप्त वीरासन' उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रैच) भी आता है।

सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सुप्त' का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और 'विरासन' का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है। यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय ने 'सुप्त वीरासन' को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथावलियों में 'सुप्त वज्रासन' से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है। साथ ही, यह छाती व हृदय केंद्र (अनाहत चक्र) को खोलता है, जिससे गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और मानसिक तनाव व अवसाद कम होता है। लंबे समय तक खड़े रहने या पैदल चलने/साइकिल चलाने के बाद पैरों की थकान को तुरंत दूर करने में यह बेहद प्रभावी है।

इस योगासन को करने का सबसे अच्छा समय दोपहर के भोजन या रात के खाने के 15-20 मिनट बाद है। यह पाचन क्रिया को सुचारू बनाने में भी सहायक होता है। अगर आप इसे करने में सहज महसूस करते हैं, तो इसे अवश्य करें।

यदि कोई व्यक्ति घुटनों, टखनों या पीठ के निचले हिस्से (कमर) में गंभीर दर्द या चोट से ग्रसित है, तो वह इस आसन को करने से बचें। वहीं, गर्भवती महिलाओं को इस आसन को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

बच्चों में दिखें ये 5 लक्षण तो हो जाएं सावधान, हो सकता है कैंसर का शुरुआती संकेत

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। बच्चों में कैंसर का पता चलते ही माता-पिता के मन में डर बैठ जाता है, लेकिन समय रहते अगर इसकी पहचान हो जाए, तो इलाज की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। बड़ों के मुकाबले बच्चों में होने वाले कैंसर के लक्षण भी आम बीमारियों जैसे लगते हैं, जिस वजह से इन पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता, शिक्षक और परिवार के लोग बच्चों में दिखने वाले छोटे-छोटे बदलावों को भी गंभीरता से लें।

लगातार बुखार आना, बिना कारण वजन कम होना, शरीर पर नीले निशान, गांठ बनना, आंखों में चमक या सिरदर्द और उल्टी जैसे कुछ शुरुआती चेतावनी संकेत हैं जो शरीर हमें पहले ही दे देता है। इन संकेतों को समझना और समय पर डॉक्टर से संपर्क करना ही बच्चे की जिंदगी बचा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, बच्चों में होने वाले कैंसर का जल्दी पता चलना उनके बचने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देता है, चूंकि बचपन के कैंसर के कई लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम या वायरल संक्रमण जैसे दिखते हैं, इसलिए माता-पिता और डॉक्टरों के लिए इसके शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है तो चलिए आपको बच्चों में कैंसर के कुछ प्रमुख शुरुआती संकेत के बारे में बताते हैं, जो इस प्रकार होते हैं।

बिना वजह लगातार बुखार: यह बच्चों में सबसे आम कैंसर है। कैंसर सेल्स बोन मैरो में नॉर्मल सेल्स की जगह ले लेते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और शरीर संक्रमण से लड़ नहीं पाता, इसलिए लगातार बुखार बना रहता है। साथ ही कैंसर सेल्स खुद ऐसे केमिकल्स (पायरोजन) छोड़ते हैं जो दिमाग के टेम्परेचर सेंटर को बढ़ा देते हैं।

असामान्य गांठ या सूजन: लसिका ग्रंथियों में कैंसर सेल्स जमा होने से बिना दर्द वाली गिल्टियां बन जाती हैं। अगर 2 हफ्ते से ज्यादा है, बुखार और वजन कम होने के साथ है, तो तुरंत जांच जरूरी है। गांठ का मतलब है कैंसर सेल्स एक जगह इकट्ठा हो रहे हैं। समय पर इलाज न मिलने पर ये खून के जरिए फेफड़े, लीवर, दिमाग तक फैल सकते हैं।

हड्डियों और जोड़ों में दर्द: ये कैंसर 10 से 18 साल के टीनएजर्स में सबसे ज्यादा होता है, जब हड्डियां तेजी से बढ़ रही होती हैं। कैंसर सेल्स हड्डी के अंदर तेजी से बढ़कर हड्डी को अंदर से कमजोर और खोखला कर देते हैं।

बिना कारण वजन कम होना और थकान: कैंसर सेल्स बच्चों के खाने से मिलने वाली सारी कैलोरी और प्रोटीन खुद खा लेते हैं। बच्चा खा तो रहा है, लेकिन वजन बढ़ने की जगह घट रहा है। अगर बच्चे में यह लक्षण देखने को मिले, तो तुरंत जांच करवाएं। बच्चा खा तो रहा है, लेकिन वजन बढ़ने की जगह घट रहा है। आसानी से चोट लगना, खून बहना: बच्चों में रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) या अन्य गंभीर बीमारियों के शुरुआती लक्षणों में आसानी से चोट लगना और खून बहना बहुत आम हैं। बोन मैरो (अस्थि मज्जा) में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने के कारण स्वस्थ प्लेटलेट्स का निर्माण रुक जाता है।

शरीर और मन को संतुलित रखने के लिए करें ताड़ासन, जानिए इसके लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने से हमारा शारीरिक पोस्चर बिगड़ जाता है। ऐसे में शरीर और मन को संतुलित रखने के लिए योगासन सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। योग के विभिन्न आसनों में से एक प्रमुख आसन है 'ताड़ासन', जो देखने में भले ही सहज लगे, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ अनेक हैं।

ताड़ासन को समस्थिति भी कहा जाता है। 'ताड़' शब्द का अर्थ संस्कृत में 'पर्वत' होता है, जिसके ऊपर इस आसन का नाम रखा गया है। ताड़ासन योग का एक मूलभूत आसन है क्योंकि यह आसन अनेक आसनों का आधार है और योग साधना में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एक्सपर्ट के अनुसार यह बेहद आसान और फायदेमंद योगासन है, जिसे करने से हाइट भी बढ़ने लगती है।



भारत सरकार के आयुष मंत्रालय बताता है कि ताड़ासन करने से एक-दो नहीं, कई फायदे मिलते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले पैरों को 2 इंच की दूरी पर रखकर सीधे खड़े हों। उंगलियों को आपस में फंसा लें और कलाई को बाहर की ओर मोड़ें। सांस लेते हुए बाजुओं को सिर के ऊपर कंधों की सीध में उठाएं। इसके बाद, एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाकर पंजों पर संतुलन बनाएं। इस मुद्रा में 10-15 सेकंड तक रहना चाहिए। आमतौर पर हम अपनी छाती और पीठ की मांसपेशियों में कम-कम खिंचाव ला पाते हैं, लेकिन ताड़ासन करने से छाती, कंधे और पीठ की मांसपेशियों में भी खिंचाव आता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का कद बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है और स्लिप डिस्क की संभावना नहीं रहती है।

एक्सपर्ट का कहना है कि ताड़ासन एक ऐसा योगासन है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। हालांकि, सावधानियां बरतनी जरूरी हैं।

लो ब्लड प्रेशर या चक्कर की समस्या वाले लोग पंजों पर संतुलन बनाते समय सतर्क रहें। गर्भवती महिलाओं को योग प्रशिक्षक की देखरेख में यह आसन करना चाहिए। अधिक समय तक मुद्रा में रहने से पैरों पर दबाव पड़ सकता है, इसलिए शरीर की क्षमता के अनुसार अभ्यास करें।

पेशाब में जलन को न करें नजरअंदाज, यह लक्षण दिखें तो हो सकता है यूटीआई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारा शरीर जब किसी परेशानी से गुजरता है तो कई बार पहले ही छोटे-छोटे संकेत देने लगता है। बस जरूरत होती है उन संकेतों को समझने की। जैसे अचानक बहुत ज्यादा थकान होना, भूख कम लगना या पेट खराब रहना किसी परेशानी की ओर इशारा कर सकता है। इसी तरह पेशाब करने के तरीके में बदलाव भी शरीर का एक जरूरी संकेत हो सकता है।

अगर कुछ दिनों से पेशाब करते समय जलन हो रही है, बार-बार पेशाब लग रहा है या पेशाब करने के बाद भी ऐसा लग रहा है कि अभी और पेशाब बाकी है, तो इसे सामान्य समझकर टालना ठीक नहीं है। कई बार इसकी वजह कम पानी पीना हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में ये यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन यानी यूटीआई का संकेत भी हो सकता है।

यूटीआई यानी पेशाब की नली और उससे जुड़े अंगों में होने वाला संक्रमण है। जब कुछ बैक्टीरिया पेशाब की नली के रास्ते शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं और वहां बढ़ने लगते हैं, तब संक्रमण होता है। यह संक्रमण पेशाब की नली, पेशाब की थैली यानी ब्लैडर या फिर किडनी तक को प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर यूटीआई का इलाज आसानी से हो जाता है, लेकिन अगर संक्रमण बढ़ जाए और किडनी तक पहुंच जाए तो परेशानी गंभीर हो सकती है।

पेशाब करते समय जलन यूटीआई का सबसे आम संकेत माना जाता है। इसके साथ बार-बार पेशाब आता है। पेट के निचले हिस्से में दर्द या भारीपन भी महसूस होता है। कुछ लोगों के पेशाब से सामान्य से ज्यादा तेज गंध आने लगती है या पेशाब साफ होने के बजाय धुंधला दिखाई दे सकता है। अगर पेशाब में खून दिखाई दे तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर पेशाब में जलन या बार-बार पेशाब आने के साथ बुखार, ठंड लगना, कमर या पीठ में दर्द, जी मिचलाना या उल्टी जैसी परेशानी भी हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। ऐसे लक्षण इस बात का संकेत हो सकते हैं कि संक्रमण ब्लैडर के साथ-साथ किडनी को भी प्रभावित कर रहा है। किडनी का संक्रमण ज्यादा गंभीर हो सकता है।

महिलाओं में यूटीआई की समस्या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा देखने को मिलती है। इसकी एक बड़ी वजह शरीर की बनावट है। महिलाओं में पेशाब बाहर निकालने वाली नली छोटी होती है, इसलिए बैक्टीरिया के लिए अंदर जाकर ब्लैडर तक पहुंचना आसान हो जाता है। यौन संबंध के बाद भी कुछ महिलाओं में यूटीआई का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा मेनोपॉज के बाद शरीर में होने वाले हार्मोन बदलावों की वजह से भी संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है।

एफएसएसएआई ने शिशु पोषण उत्पादों को लेकर नेस्ले इंडिया के खिलाफ तीन मामलों में शुरू की कानूनी कार्रवाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नेस्ले इंडिया के खिलाफ उसके शिशु पोषण उत्पादों को लेकर कथित नियामकीय उल्लंघनों के संबंध में तीन अलग-अलग न्यायनिर्णयन (एडजुडिकेशन) मामले शुरू किए हैं। इनमें एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 और लैक्टोजेन प्रो 1 जैसे उत्पाद शामिल हैं।

खाद्य नियामक द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए नोटिस के अनुसार, एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सूचीबद्ध इन उत्पादों और उनसे जुड़े प्रचार सामग्री की जांच की तथा कुछ दावों पर आपत्ति जताई।

एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 के मामले में नियामक ने '5 एचएमओएस' और 'व्हे प्रोटीन' से जुड़े दावों पर सवाल उठाए हैं। वहीं लैक्टोजेन प्रो 1 के लिए व्हे प्रोटीन को आसानी से पचने योग्य बताए जाने वाले दावे पर आपत्ति दर्ज की गई है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इन दावों के संबंध में नेस्ले इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा गया था। जांच के बाद नियामक ने पाया कि ये उत्पाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड्स फॉर इन्फेंट न्यूट्रिशन) रेगुलेशंस, 2020 के नियम 4(2) का उल्लंघन करते हैं।

यह नियम शिशु आहार उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाने वाले प्रचार और दावों पर प्रतिबंध लगाता है। एफएसएसएआई ने इन्फेंट मिल्क सब्स्टीट्यूट्स, फीडिंग बॉटल्स एंड इन्फेंट फूड्स (रेगुलेशन ऑफ प्रोडक्शन, सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) अधिनियम, 1992 की धारा 3 का भी हवाला दिया, जो ऐसे उत्पादों के विज्ञापन और प्रचार पर रोक लगाती है।

एक अन्य मामले में एफएसएसएआई ने कहा कि नेस्ले इंडिया द्वारा निर्मित एक फॉलो-अप फॉर्मूला के नमूने में प्रयोगशाला परीक्षण के दौरान बायोटिन की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करना बेहद जरूरीः एनएचएम

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि मरीजों की सुरक्षा सिर्फ किसी एक प्रोग्राम या विभाग की जिम्मेदारी नहीं हो सकती बल्कि इसे पूरे हेल्थ सिस्टम में शामिल किया जाना चाहिए। गैर-संचारी रोगों (एनडीसी) की रोकथाम, पहचान, इलाज और लंबे समय तक देखभाल के मामले में मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करना बहुत जरूरी है।

मंत्रालय ने 'गैर-संचारी रोगों (एनसीडीएस) के लिए सुरक्षित देखभाल' थीम के साथ 'विश्व मरीज सुरक्षा दिवस 2026' मनाया।

सभा को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा कि भारत में होने वाली कुल मौतों में से लगभग 63 प्रतिशत मौतें एनसीडीएस के कारण होती हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और मिशन डायरेक्टर (एनएचएम) आराधना पटनायक ने देशभर में मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करने, देखभाल की गुणवत्ता बेहतर बनाने और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणालियां बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पब्लिक हेल्थकेयर में हाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एनएफएचएस-6 के अनुसार, 96 प्रतिशत टीकाकरण और 90.6 प्रतिशत संस्थागत प्रसव सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के जरिए किए जा रहे हैं।





एलआईसी के 2,684 करोड़ के निवेश फ्रॉड में सीबीआई ने दर्ज की अनिल अंबानी पर एफआईआर

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलाईसी) के साथ हुए निवेश फ्रॉड के मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने एलआईसी की लिखित शिकायत के आधार पर मेसर्स रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएपी), मुंबई, कंपनी के पूर्व चेयरमैन अनिल डी. अंबानी, रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीए ग्रुप) के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश सेठ, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

एलआईसी का आरोप है कि 12 अप्रैल 2012 से 9 मार्च 2018 के दौरान एलआईसी ने आरसीएपी द्वारा जारी 5 नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) खरीदे थे, जिनकी कुल कीमत 3,900 करोड़ रुपए थी। ये एनसीडी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों, फंडिंग की जरूरतों और मौजूदा कर्ज को रिफाइनेंस करने के लिए जारी किए गए थे।

एलआईसी का आरोप है कि आरोपी व्यक्तियों ने आपराधिक साजिश रची और धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक कदाचार, फंड का डायवर्जन/गबन और खातों में हेरफेर जैसे अपराध किए। गलत जानकारी देकर एलआईसी को आरसीएपी में निवेश करने के लिए उकसाया गया और बाद में धोखाधड़ी से उन फंड्स को दूसरी जगह लगा दिया गया। इससे एलआईसी को 2,684.57 करोड़ रुपए का नुकसान और आरोपियों को उतना ही फायदा हुआ।

सीबीआई ने कहा है कि सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित शामिल सभी लोगों की भूमिका का पता लगाने, आपराधिक साजिश की जांच करने और निवेश किए गए फंड के अंतिम उपयोग और डायवर्जन का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सीबीआई ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएपी), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) के खिलाफ विभिन्न पब्लिक सेक्टर बैंकों, ईपीएफओ और एलआईसी से मिली शिकायतों पर 8 एफआईआर दर्ज की थीं।

इन मामलों में सीबीआई ने अब तक 6 चार्जशीट दाखिल की हैं और 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी मामलों की जांच जारी है और माननीय सुप्रीम कोर्ट इनकी निगरानी कर रहा है। सीबीआई ने कहा है कि वह व्यापक और तेजी से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी से सपरिवार मिले जयंत चौधरी, एकजुटता का दिया संदेश



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जयंत चौधरी अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। मुलाकात की तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की है।

जयंत चौधरी और प्रधानमंत्री मोदी की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद की सक्रियता बढ़ी है। 20 सितंबर को मुजफ्फरनगर में रालोद की ओर से सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जयंत चौधरी मुख्य अतिथि होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात और इसके ठीक बाद होने वाले मुजफ्फरनगर सम्मेलन को लेकर राजनीतिक हलकों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, मुलाकात को लेकर जयंत चौधरी की ओर से साझा की गई जानकारी में किसी राजनीतिक निर्णय या चुनावी रणनीति का विवरण नहीं दिया गया है।

मुलाकात की तस्वीर में जयंत चौधरी के साथ उनकी पत्नी और दोनों बेटियां भी नजर आ रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी यह पारिवारिक मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब रालोद और भाजपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद की राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए इस मुलाकात पर राजनीतिक नजरें टिकी हैं। इससे एक दिन पहले 17 सितंबर को जयंत चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री की कार्यशैली को करीब से देखने और उससे सीखने की बात कही थी। जयंत चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी के समर्पण और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की भी सराहना की थी। बता दें कि रालोद की ओर से 20 सितंबर को मुजफ्फरनगर के पचेंडा रोड स्थित प्लेटिनम बैंक्वेट हॉल परिसर में सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। पार्टी की ओर से इस कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की गई है।

एआईएपीजीईटी-2026 रिजल्ट और फाइनल आंसर-की जारी, उम्मीदवार ऐसे करें चेक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (एआईएपीजीईटी), 2026 की परीक्षा में शामिल हुए जो उम्मीदवार रिजल्ट जारी होने का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एआईएपीजीईटी-2016 के परिणाम के साथ-साथ अंतिम आंसर-की अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी है।

एआईएपीजीईटी-2026 परिणाम या फाइनल आंसर-की चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद 'गतिविधि' सेक्शन में 'ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (एआईएपीजीईटी) - 2026 स्कोर कार्ड' या 'ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (एआईएपीजीईटी) - 2026 की फाइनल आंसर-की' लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा, वहां एप्लीकेशन नंबर, पासवर्ड और सुरक्षा पिन दर्ज करें और सबमिट कर दें। फिर अंतिम उत्तर कुंजी/परिणाम स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट/फाइनल आंसर-की को चेक करने के बाद डाउनलोड कर लें। भविष्य के संदर्भ के लिए दोनों का प्रिंट आउट निकालकर रख लें। बता दें कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध और यूनानी विषयों के लिए एनटीए की ओर से एआईएपीजीईटी-2026 का आयोजन 22 अगस्त को 51,482 उम्मीदवारों के लिए और 1 सितंबर को 49 उम्मीदवारों के लिए राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन, जयपुर में कंप्यूटर-बेस्ड टेस्ट (सीबीडी) मोड में किया गया।

एनएसओ रिपोर्ट : रोजगार में महिलाओं की बढ़ी भागीदारी, देश के 57.8 प्रतिशत जिलों में एलएफपीआर 40 फीसदी से अधिक

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी जिलावार आंकड़ों के मुताबिक, भारत में वर्कफोर्स (कामकाजी आबादी) में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। देश के 57.8 प्रतिशत जिलों में 'महिला श्रम बल भागीदारी दर' (एलएफपीआर) 40 प्रतिशत या उससे ज्यादा दर्ज किया गया है।

सर्वे में शामिल 100 जिलों में गुजरात का सूरत जिला सबसे ज्यादा एलएफपीआर और वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो (डब्ल्यूपीआर) के साथ देश में सबसे आगे है। सर्वे में बिहार के दरभंगा जिले में लेबर फोर्स में भागीदारी के आंकड़े सबसे कम दर्ज किए गए। आंकड़ों के मुताबिक, पूरे भारत में जिलावार स्तर पर रोजगार का पैमाना माने जाने वाला एलएफपीआर सूरत (68.6 प्रतिशत) में सबसे ज्यादा है, इसके बाद बिहार का अररिया (68 प्रतिशत) और तमिलनाडु का सलेम (67.8 प्रतिशत) जिला आता है। इसी तरह रोजगार का एक और पैमाना माने जाने वाले डब्ल्यूपीआर के मामले में भी सूरत 67.8 प्रतिशत के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर है, बिहार का अररिया 67.4 प्रतिशत के साथ दूसरे और गुजरात का बनासकांठा 66.6 प्रतिशत भागीदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल का दक्षिण 24 परगना (0.9 प्रतिशत), बिहार का अररिया (0.9 प्रतिशत) और गुजरात का अहमदाबाद (1.1 प्रतिशत) जिला सबसे कम बेरोजगारी दर वाले जिले रहे। केरल का एर्नाकुलम (9.6 प्रतिशत), तमिलनाडु का कोयंबटूर (14.5 प्रतिशत) और कर्नाटक का बेंगलुरु (शहरी) (15 प्रतिशत) जिला 15-29 साल के युवाओं के लिए सबसे कम नीट (जो न तो रोजगार में हैं, न शिक्षा में और न ही ट्रेनिंग में) दर वाले जिले रहे। राज्य की राजधानी वाले जिलों में, 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों में एलएफपीआर और डब्ल्यूपीआर का सबसे ज्यादा स्तर हिमाचल प्रदेश में शिमला (70 प्रतिशत और 65.1 प्रतिशत), केरल में तिरुवनंतपुरम (64.4 प्रतिशत और 63.2 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ में रायपुर (61.5 प्रतिशत और 59.4 प्रतिशत) में दर्ज किया गया।

सफाईकर्मी की आत्महत्या: दिल्ली भाजपा आज आम आदमी पार्टी के पार्षद के खिलाफ प्रदर्शन करेगी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने आम आदमी पार्टी के त्रिलोकपुरी नगर निगम पार्षद विजय कुमार के कार्यालय के बाहर शनिवार को प्रदर्शन करने की योजना की घोषणा की है। विजय कुमार पर वित्तीय धोखाधड़ी और नगर निगम कर्मचारी की आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा द्वारा विजय कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के एक दिन बाद, सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा शनिवार को आम आदमी पार्टी के पार्षद के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करेगी और उनके इस्तीफे की मांग करेगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाते हुए कपूर ने कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मल्होत्रा द्वारा मामला उठाए जाने के बावजूद, आम आदमी पार्टी के नेतृत्व ने अब तक अपने नगर निगम पार्षद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

राहुल गांधी के आरोपों पर विनोद तावड़े का पलटवार, कहा- लोकतंत्र पर टिप्पणी का नैतिक अधिकार नहीं

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए उन पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया। तावड़े ने कहा कि जिनके शासनकाल में चुनी हुई सरकारों को कई बार बर्खास्त किया गया, उन्हें संवैधानिक संस्थाओं पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त कर लोकतंत्र की हत्या का खिताब जिनके सिर पर हो, उन्हें संवैधानिक संस्थाओं पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उत्तर प्रदेश ने भी छह बार कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति शासन लगाकर या समर्थन वापस लेकर चुनी हुई सरकारों को बलि चढ़ते हुए देखा है।'

इससे पहले राहुल गांधी ने एक्स पर चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि पहले शिवसेना, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और अब तृणमूल कांग्रेस के साथ एक जैसा पैटर्न अपनाया गया है।

राहुल गांधी ने लिखा, 'हर बार एक ही पैटर्न होता है। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं, फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है।' उन्होंने आगे दावा किया कि जब पूरी की पूरी पार्टी 'चोरी' हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं।' कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को पलट देती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह लड़ाई केवल ममता बनर्जी की नहीं, बल्कि हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है।

एफसीआरए बिल पर शीतकालीन सत्र से पहले रिपोर्ट सौंपने का भरोसा: संजय जायसवाल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। एफसीआरए बिल पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि समिति संसद के शीतकालीन सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

समिति की पहली बैठक के बाद संजय जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'बैठक बहुत सुचारू और बेहतर तालमेल के साथ हुई। सभी सदस्यों ने अपने सवाल रखे।' उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य और हमें दिया गया दायित्व शीतकालीन सत्र से पहले रिपोर्ट सौंपना है। हमें पूरा विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।' बिहार के बेतिया से भाजपा सांसद जायसवाल ने बताया कि समिति की पहली बैठक में गृह सचिव ने भी सदस्यों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार संबंधित मूल विभाग समिति के सदस्यों के सामने अपना पक्ष और जानकारी रखता है।

प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 की जांच के लिए इस महीने की शुरुआत में संसद की 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया था। लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं।

गंभीर अनियमितताओं पर एफएसएसएआई का बड़ा एक्शन, पैराडाइज डिस्टिलरीज का लाइसेंस निलंबित

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को खाद्य परिसर के निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद पैराडाइज डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित कर दिया।

एफएसएसएआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, पैराडाइज डिस्टिलरीज को जारी लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से 15 दिनों के लिए निलंबित किया गया है।

खाद्य कारोबार संचालक (एफबीओ) को निर्देश दिया गया है कि वह निलंबन अवधि के दौरान सभी खाद्य व्यवसाय गतिविधियां बंद रखे और निर्धारित समयसीमा के भीतर पाई गई कमियों को दूर करे। एफएसएसएआई ने कहा कि निरीक्षण के दौरान शराब निर्माण में एक्सपायर्ड फ्लेवर और रंगों का इस्तेमाल पाया गया, जिससे अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

बयान में कहा गया कि परिसर में स्वच्छता और सफाई की स्थिति खराब पाई गई। निरीक्षण के दौरान अंतिम मिश्रण टैंक सही तरीके से बंद नहीं था, बोतल साफ करने वाली मशीन पर ग्रीस और धूल जमी हुई थी, टूटे हुए कांच के टुकड़े मिले और कांच प्रबंधन को लेकर कोई उचित नीति मौजूद नहीं थी। खाद्य नियामक ने आगे यह भी कहा कि कंपनी ने केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस के अनुसार उत्पाद लेबल में आवश्यक बदलाव नहीं किए थे और इस संबंध में संतोषजनक जवाब भी प्रस्तुत नहीं किया। एफएसएसएआई के अनुसार, परिसर में कई संरचनात्मक और परिचालन संबंधी कमियां भी पाई गईं, जिनमें दरवाजों की खराब फिटिंग, अपर्याप्त रोशनी और कार्यस्थल, दीवारों पर उखड़ता पेंट और प्लास्टर, अस्वच्छ पैकिंग व्यवस्था, अनुचित भंडारण, अप्रभावी कीट नियंत्रण और खाद्य सामग्री संभालने वाले कर्मचारियों की खराब व्यक्तिगत स्वच्छता शामिल हैं। इसके अलावा, चिकित्सकीय जांच और टीकाकरण रिकॉर्ड, सुरक्षात्मक कपड़ों के उपयोग, व्यक्तिगत साफ-सफाई, सफाई कार्यक्रम, उपकरणों के रखरखाव संबंधी रिकॉर्ड, कीट नियंत्रण रिकॉर्ड, ग्राहक शिकायत निवारण व्यवस्था और समय-समय पर खाद्य सुरक्षा प्रणाली ऑडिट से जुड़े मामलों में भी नियमों का पालन नहीं पाया गया।

राहुल गांधी को इतिहास पढ़ना चाहिए, कांग्रेस सहयोगियों को खत्म करती है : किरेन रिजिजू

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक्स पोस्ट पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद भस्मासुर है जो टूट-फूट से बनी पार्टी है। राहुल गांधी को भाजपा-एनडीए पर उंगली उठाने की जरूरत नहीं है। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी पर ऐसी बातें मढ़ रहे हैं जो असल में उन पर लागू होनी चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी भस्मासुर की तरह है, जो भी पार्टी इसके संपर्क में आती है, वह खत्म हो जाती है, फिर भी वे हम पर आरोप लगाते हैं। कांग्रेस पार्टी को यह समझना चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस खुद कांग्रेस से ही अलग हुई थी। जो लोग एनसीपी की बात करते हैं, वे भी कांग्रेस से ही अलग हुए थे। इसीलिए, कांग्रेस हम पर आरोप लगाती है, लेकिन वे खुद टूट-फूट से बने थे और वे फिर से टूट जाते हैं। दूसरी पार्टियों को तोड़ना और खत्म करना ही कांग्रेस पार्टी का काम है। कांग्रेस ने इसी तरह अपने बड़े नेताओं को बाहर निकाला है, कई नेता तो कांग्रेस छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री भी बने, जबकि पहले वे कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। हर कोई कांग्रेस का इतिहास जानता है और यह भी कि वह अपने सहयोगियों को कैसे तोड़ती है। रिजिजू ने इस दौरान कुछ पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अशोक मेहता और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के बारे में सभी जानते होंगे। 1963 में कैसे कांग्रेस पार्टी ने अशोक मेहता को योजना आयोग का उपाध्यक्ष पद देकर उन्हें कांग्रेस में विलय करने के लिए पार्टी को तोड़ दिया था। उसके बाद प्रोफेसर एनजी रंगा के बारे में सब जानते हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415